संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 195
पृष्ठ 8
रविवार
05 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रिवर राफ्टिंग के समय भूलकर...

विचार- जनजातीय खेल प्रतिभा, हमारा...

खेल- आईपीएल में विदेशी खिलाड़ी कहे जाने...

केरलम में पीएम मोदी का बड़ा दावा

एलडीएफ सरकार की उलटी गिनती शुरू, अब एनडीए की बारी है

तिरुवंतपुरम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 4 अप्रैल को विश्वास व्यक्त किया कि आगामी विधानसभा चुनावों के बाद केरलम में भाजपा–एनडीए सरकार का गठन होगा, और उन्होंने राज्य भर में, विशेष रूप से महिलाओं से मिल रहे मजबूत जनसमर्थन पर प्रकाश डाला। केरलम के थिरुवल्ला में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि मैं पहले भी यहां आ चुका हूं, लेकिन इस बार बदलाव की हवा अलग दिशा में बह रही है। केरलम में अब सबसे बड़ा परिवर्तन होने जा रहा है। 9 अप्रैल को मतदान होगा और 4 मई को दशकों के कुशासन का अंत घोषित हो जाएगा। अब यह निश्चित है

कि एलडीएफ सरकार के सत्ता से हटने की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। पहली बार केरल में भाजपा–एनडीए की सरकार सत्ता में आ रही है।

प्रधानमंत्री ने रैली के रास्ते में देखी गई भारी भीड़ का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि मेरे पहुंचने पर मैंने देखा कि कार्यक्रम स्थल तक जाने वाले पूरे रास्ते पर भारी भीड़ जमा थी। वामपंथी मानव श्रृंखला की बात करते हैं, लेकिन केरल के लोगों ने एनडीए के प्रति अपना प्रेम मानव दीवार बनाकर दिखाया है। उन्होंने कहा कि नॉर्थईस्ट में एक राज्य को छोड़कर भाजपा–एनडीए की सरकार है और वहां पिछले 50–60 साल में जो काम नहीं हुआ, वो हमने करके दिखाया है। गोवा में लगातार भाजपा–एनडीए की सरकार है, गोवा विकास की नई ऊंचाई को छू रहा है। केरलम में भी एनडीए की सरकार बनेगी तो विकास की नई ऊंचाइयों को पाएंगे। स्थानीय किसानों और मछुआरों की हर समस्या का समाधान हम करेंगे।

मोदी ने कहा कि इस चुनाव में केरल को लाभ होगा, हालांकि व्यक्तिगत रूप से मुझे कुछ नुकसान हो सकता है। एनडीए के उम्मीदवार अनूप ने पिछले पांच वर्षों से अटूट समर्पण के साथ मेरे साथ काम किया है। वे एक विश्वसनीय सहयोगी रहे हैं, शांत, ईमानदार और अथक, दिन–रात काम करने वाले। मुझे लगा कि केरल को इस युवा नेता की सेवा और ऊर्जा की आवश्यकता है। आज मैं अनूप को केरल की जनता की सेवा के लिए आपके हवाले करता हूँ। उन्होंने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों ने लंबे समय से इस क्षेत्र की उपेक्षा की है।

पहले शिक्षा उपेक्षित थी, अब छात्रों के स्कूल छोड़ने की दर में भारी कमी आई : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों पर शनिवार को निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले शिक्षा सरकार के एजेंडे में नहीं थी लेकिन अब छात्रों के स्कूल छोड़ने की दर में कमी आई है। आदित्यनाथ ने पूर्व की सरकारों पर धोखाधड़ी को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए कहा, 2017 से पहले स्थिति क्या थी? शिक्षा न तो सरकार के एजेंडे में थी, न ही कोई चिंता थी – चाहे वह गरीब बच्चों के लिए हो या सामान्य वर्ग के किसी भी बच्चे के लिए क्योंकि उनके अपने लोग नकल की सुविधा दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने शनिवार को वाराणसी में स्कूल चलो अभियान के उद्घाटन के मौके पर कहा कि सामाजिक न्याय को वास्तविक अर्थों में जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए सभी को शिक्षित होने की जरूरत है। आदित्यनाथ ने 2017 से पहले कक्षा तीन, चार, पांच और छह के बाद बच्चों के स्कूल छोड़ने के कारणों को गिनाते हुए कहा, जब भी मैं किसी भी सड़क से गुजरता था, मैं पूरे दिन बच्चों को घूमते हुए देखता था। कुछ तालाबों में खेल रहे होते थे, अन्य भैंसों के साथ खेलते दिखते थे, कुछ विभिन्न मोहल्लों में कीचड़ या धूल में खेल रहे होते थे। उन्होंने कहा कि जब उनसे पूछा जाता था कि आप इधर–उधर क्यों घूम रहे हैं? आप स्कूल क्यों नहीं जा रहे हैं? तो वे यही जवाब देते कि स्कूल बहुत दूर है। मुख्यमंत्री ने कहा, श्हमने पूरे राज्य से आंकड़े एकत्र किए। इसका विश्लेषण करने पर हमने पाया कि बच्चों के स्कूल नहीं जाने का कारण शौचालयों का अभाव था, लड़कों और लड़कियों के लिए अलग–अलग शौचालय की सुविधा नहीं थी, न ही पीने के पानी की कोई व्यवस्था थी।

असम चुनाव से पहले गरजे नितिन नबीन, बोले, चुनाव आते ही घूमने लगते हैं पार्ट-टाइम नेता

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने सिलचर में विपक्षी नेताओं की आलोचना करते हुए उन्हें अंशकालिक राजनीतिज्ञ बताया जो केवल चुनाव के दौरान ही

सामने आते हैं। उन्होंने इसकी तुलना भाजपा नेतृत्व से की, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि वह पूर्णकालिक रूप से काम करता है और क्षेत्रीय विकास के लिए समर्पित है। एक जनसभा में बोलते हुए नितिन नबीन ने कहा कि मैं इन दिनों देख रहा हूँ कि चुनाव नजदीक आने के कारण कुछ अंशकालिक नेता आ गए हैं और इधर–उधर घूम रहे हैं। भाजपा के नेता और नेतृत्व पूर्णकालिक रूप से काम करते हैं। वे हर समय इस क्षेत्र की जनता के प्रति समर्पित होकर काम करते हैंश आप ऐसी सरकार बनाने जा रहे हैं जो 2047 तक असम को विकसित बनाने की दिशा में आगे बढ़ेगी। नितिन नबीन ने कहा कि आज यहां साफ दिख रहा है कि असम की जनता ने पूरा मन बना लिया है कि 4 मई को फिर से भाजपा–एनडीए की सरकार बनेगी। असम सिर्फ राज्य ही नहीं, बल्कि पूर्वोत्तर के विकास का एक द्वार है। जिसको हम सभी के नेता पीएम नरेन्द्र मोदी जी ने ईशान कोण कहते हैं और ईशान कोण से जब विकास की किरणें निकलती हैं, तो पूरे देश को विकास की रोशनी से ऊर्जावान करती हैं। हर घर में खुशहाली आए, हर घर में विकास की रोशनी पहुंचे, हमारे गरीब परिवार के चेहरे पर खुशी पहुंचे, इसका प्रयास हमारी सरकार ने हमेशा किया है। चाहे पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना हो, पीएम आवास योजना हो... हर योजना के माध्यम से गरीबों का सशक्तिकरण करने का काम हुआ है। विपक्ष पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में उनके नेता कहते थे कि केंद्र से 1 रुपए चलता है तो गरीबों के पास सिर्फ 15 पैसे ही पहुंचता है।

हिमंता का ओवैसी पर तीखा हमला, मिया समुदाय को बना रहे हैं हथियार

गुवाहटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने 4 अप्रैल को असदुद्दीन ओवैसी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि एआईयूडीएफ के समर्थन में असम दौरे के दौरान उनके चुनावी भाषणों का मकसद राजनीतिक लाभ के लिए मिया समुदाय का इस्तेमाल करना है।

उन्होंने कांग्रेस पर ऐसे बयानों पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। सरमा ने दावा किया कि कांग्रेस ने चुनावी समीकरणों को प्रभावित करने और मतदाताओं को धार्मिक आधार पर ध्रुवीकृत करने के लिए ओवैसी को असम में भेजा है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि ओवैसी के भाषणों से आबादी के कुछ खास वर्गों को लामबंद करने की कोशिशें झलकती हैं। कांग्रेस को निशाना बनाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी ऐसे बयानों की आलोचना करने में विफल रही है और यूनुस तमूली और यूनुस अली जैसे लोगों से जुड़े विवादास्पद बयानों और घटनाओं पर चुप रही है। अपने चुनावी विश्वास को दोहराते हुए सरमा ने कहा कि भाजपा 90–100 सीटें जीतने की स्थिति में है और संभवतः 100 का आंकड़ा भी पार कर जाएगी।

केरलम में राहुल गांधी का एनडीएफ पर बड़ा हमला, बोले

चुनाव बाद `वामपंथ' नहीं बचेगा

तिरुवंतपुरम (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) पर अपनी मूल विचारधारा को त्यागने का आरोप लगाया और कहा कि आगामी चुनावों के बाद एलडीएफ में कुछ भी वामपंथी नहीं बचेगा। 4 अप्रैल को केरल के अलाप्पुझा में एक जनसभा में बोलते हुए गांधी ने एलडीएफ की सिद्धांतों से समझौता करने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा कि एलडीएफ कई सालों से हमारे विरोधी रहे हैं, हमने उनसे लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ते रहेंगे। लेकिन कई सालों तक वे

कुछ ऐसे विचारों के लिए खड़े रहे जिनसे हम सहमत नहीं थे, और हमने उन्हीं विचारों के आधार पर उनका विरोध किया। लेकिन वे किसी बात के लिए खड़े थे, और उसी के प्रतीक के रूप में उनके संगठन के नाम में श्वामपंथीश शब्द है।

राहुल ने सवाल किया कि एलडीएफ का मतलब क्या है? वाम लोकतांत्रिक मोर्चा। सच कहूं तो, वाम मोर्चे में कुछ भी श्वामपंथीश नहीं है, और चुनाव के बाद वाम मोर्चे में कुछ भी श्वामपंथीश नहीं बचेगा। गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और वामपंथी दल (एलडीएफ) के बीच सांठगांठ का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि केरल की सांप्रदायिक सरकार को एक गुप्त शक्ति प्रभावित कर रही है, जो उनके अनुसार संविधान को नकारती है और जनता पर हमला करती है।

उन्होंने कहा कि मंच पर बैठे नेता को जो बात परेशान कर रही है, वह यह है कि उनकी नीतियां अब वामपंथी नहीं रहीं। उन्हें और वाम मोर्चे के कई कार्यकर्ताओं को जो बात परेशान कर रही है, वह यह है कि आज एलडीएफ सरकार को एक गुप्त शक्ति चला रही है। यह गुप्त शक्ति सांप्रदायिक है, भारत के संविधान को स्वीकार नहीं करती, भारत की जनता को बांटती है, उन पर हमला करती है, उन्हें अपमानित करती है, और केरल में हर कोई देख सकता है कि अब भाजपा, आरएसएस और वाम मोर्चे (सीपीएम) के बीच संबंध है।

गांधी ने वाम मोर्चे (एलडीएफ) को अवसरवादी नेताओं का समूह बताते हुए कहा कि वे सत्ता हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं और भाजपा एवं आरएसएस से सहायता लेने में उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी के कुछ कार्यकर्ता, जो इन विचारों से सहमत नहीं हैं, खुद को धोखा दिया हुआ और आहत महसूस कर रहे हैं।

गैस की लंबी कतारें, खरगे बोले- सरकार की विदेश नीति की खामियों की सजा भुगत रही जनता

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को कहा कि देश में गैस की कमी है और लोग लंबी कतारों में इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने इस संकट का कारण सरकार की विदेश नीति की खामियों को बताया और कहा कि इस मुद्दे पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के चलते पश्चिम एशिया में तनाव के बीच गैस की कमी की समस्या

उत्पन्न हुई है। बेंगलुरु में बोलते हुए खरगे ने कहा कि देश में गैस की समस्या है। लोग लंबी कतारों में फंसे हुए हैं। यह सबके लिए एक बड़ी समस्या बन गई है। सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन वह ध्यान नहीं दे रही है क्योंकि उनकी विदेश नीति सही नहीं है। आज हम उनकी गलत विदेश नीति के कारण भुगत रहे हैं। इससे पहले, कर्नाटक के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने जोर देकर कहा था कि घरेलू और सार्वजनिक परिवहन की जरूरतों के लिए गैस की कोई वास्तविक कमी नहीं है। सरकार ने इंडियनऑयल को वर्तमान 59.53 मीट्रिक टन से दैनिक बिक्री बढ़ाने का निर्देश दिया है और निजी वितरकों को कालाबाजारी और अनधिकृत मूल्य वृद्धि के खिलाफ चेतावनी जारी की है। इसके अलावा, जमाखोरी रोकने के लिए जिला स्तरीय निगरानी समितियां गठित की गई हैं। भारत सरकार ने शनिवार को जनता को आश्वस्त करते हुए देशभर में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और पेट्रोलियम जेली (पीजी) की पर्याप्त आपूर्ति की पुष्टि की।

आप में हमले झेल रहे राघव चड्ढा का पलटवार- घायल हूं, इसलिए घातक हूं

नयी दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाए गए आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने नरम मुद्दों को उठाने के आरोपों

के जवाब में अपने बचाव में एक और वीडियो जारी किया है। वीडियो के साथ उन्होंने एक्स पर लिखा कि मैं बोलना नहीं चाहता था, मगर चुप रहता तो बार–बार दोहराया गया झूठ भी सच लगने लगता। उन्होंने कहा कि कल से मेरे खिलाफ एक सुनियोजित अभियान चल रहा है। वही भाषा, वही शब्द, वही आरोप। यह कोई संयोग नहीं, बल्कि एक सुनियोजित हमला है। आप नेता ने कहा कि पहले तो मैंने सोचा कि मुझे जवाब नहीं देना चाहिए। फिर मैंने सोचा कि अगर झूठ को सौ बार दोहराया जाए, तो शायद कुछ लोग उस पर विश्वास कर लें। इसलिए मैंने जवाब देने का फैसला किया। आम आदमी पार्टी ने तीन आरोप लगाए हैं और कहा है कि इन तीन आरोपों के कारण वे राघव चड्ढा को संसद में बोलने का मौका नहीं देंगे। पहला आरोप यह है कि जब विपक्ष संसद से वॉकआउट करता है, तो राघव चड्ढा वहीं बैठे रहते हैं।

वैश्विक संकटों के बीच भारत ने दिखाई जबरदस्त मजबूती, जयशंकर ने गिनाईं मोदी की कूटनीतिक उपलब्धियां

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने हाल के वर्षों में वैश्विक स्तर पर उत्पन्न बड़े संकटों के बीच जिस तरह अपनी मजबूती बनाए रखी है, वह देश की बढ़ती ताकत और संतुलित नीतियों का प्रमाण है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि भारत ने दुनिया में चल रहे उथल पुथल के दौर में न केवल खुद को संभाला बल्कि मजबूती के साथ आगे बढ़ा है।

छत्तीसगढ़ में स्थित आईआईएम रायपुर के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने घरेलू और बाहरी दोनों तरह की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश आज दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और यह उपलब्धि अपने आप में बहुत बड़ी है। जयशंकर ने कहा कि बीते दस वर्षों में देश ने जो प्रगति की है, उसने समाज में एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। यही कारण है कि भारत में आशावाद की भावना देखने को मिलती है, जबकि दुनिया के कई हिस्सों में यह भावना कमजोर पड़ती दिख रही है। उन्होंने कहा कि यह विश्वास आने वाले वर्षों में और मजबूत होगा और भारत की विकास यात्रा को नई गति देगा।

वैश्विक परिदृश्य पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि दुनिया इस समय बड़े संरचनात्मक बदलावों से गुजर रही है। देशों के बीच शक्ति संतुलन तेजी से बदल रहा है और इसका असर अंतरराष्ट्रीय राजनीति और अर्थव्यवस्था दोनों पर दिखाई दे रहा है। कई समाज इन बदलावों को स्वीकार करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं, जिससे अस्थिरता बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आज के समय में तकनीक, ऊर्जा, सैन्य क्षमता, संपर्क और संसाधनों में हो रहे विकास ने प्रतिस्पर्धा को और तीखा बना दिया है। हर देश अपने हितों की रक्षा के लिए नए तरीके अपना रहा है। ऐसे माहौल में देशों को जोखिम कम करने, विविधता लाने और संतुलन बनाने की रणनीति अपनानी होगी।

विदेश मंत्री ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और रूस यूक्रेन युद्ध जैसे उदाहरणों का जिक्र करते हुए कहा कि इन घटनाओं ने वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति पर गहरा असर डाला है।

डिप्टी सीएम केशव ने सर्किट हाउस में सुनी जनता की समस्याएं, त्वरित निस्तारण का निर्देश

प्रयागराज। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को जनता दर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत आम नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित किया। इस दौरान महिला, किसान, वकील सहित समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों की भारी संख्या में उपस्थिति रही। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को जनता दर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत आम नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित किया। इस दौरान महिला, किसान, वकील सहित समाज के विभिन्न वर्गों

से जुड़े लोगों की भारी संख्या में उपस्थिति रही। जनता दर्शन में आए लोगों ने अपनी–अपनी समस्याओं एवं मांगों को उप मुख्यमंत्री जी के समक्ष रखा। उप मुख्यमंत्री ने सभी की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि आमजन की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए और किसी भी व्यक्ति को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक भी की और जिले में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है और पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करना सभी अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

तालाब में मछली मारने का विरोध करने पर मारपीट

प्रयागराज। कौंधियारा क्षेत्र के मवैया तालुका बलापुर गांव में तालाब में अवैध रूप से मछली मारने तथा विरोध करने पर मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर कई नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्जकर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मत्स्य पट्टाधारक विजय बहादुर पुत्र स्वर्गीय शिवबरन ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि गांव स्थित तालाब संख्या 51 का राजस्व शुल्क जमाकर उन्होंने मत्स्य पालन के लिए पट्टा कराया है। आरोप है कि दिनांक बीते 25 मार्च को गांव के ही अयोध्या प्रसाद, लकी, शालू, पवन, सोनू, पप्पू सहित कुछ अन्य अज्ञात लोग तालाब में मछली मार ले गए। जब पट्टाधारक पक्ष के लोगों ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने गाली–गलौज करते हुए मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित का आरोप है कि इसके बाद भी लगातार तालाब में मछली मारी जा रही है, जिससे उसे लगभग पांच लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हो रहा है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है।

डीजे बजाने पर काजी ने निकाह पढ़ाने से किया इन्कार

प्रयागराज। इलाके में एक युवक की शादी के दौरान अजीब मामला सामने आया। जब डीजे बजाने से नाराज काजी ने निकाह पढ़ाने से इन्कार किया दिया। बाद में दूसरे काजी ने सभी बरातियों से वजू कराया और दूल्हे को नहलाया। इसके बाद देर रात निकाह हुआ। मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव में जौनपुर से बरात गई थी। जहां बराती डीजे पर ठुमका लगाते हुए लड़की के घर पहुंचे। यह देखन लड़की पक्ष आवाभगत न करते हुए डीजे बजाने पर नाराज हो गए। इसको लेकर दोनों पक्षों में तकरार होने लगी। डायल 112 नंबर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनों पक्षों को समझाया। घंटों मान–मनौव्वल के बाद दोनों पक्ष राजी हो गए, लेकिन काजी ने निकाह पढ़ाने से मना कर दिया। वह बरातियों को खरी–खोटी सुनाते हुए वहां से चले गए।

घंटों इंतजार के बाद किसी तरह दूसरे काजी को बुलाया गया, जिसने दूल्हे को स्नान और बरातियों को वजू कराने के साथ दुआ करके गलती मानने की शर्त रखी। इसके बाद काजी ने सामूहिक दुआ कराकर अल्लाह से तौबा कराई कि आज के बाद से कहीं भी डीजे नहीं बजाएंगे। इसके बाद निकाह संपन्न हुआ। बृहस्पतिवार के बजाय शुक्रवार सुबह युवती की विदाई हुई। वहीं, मौलाना उबैद उल्ला का कहना है कि नाच–गाना शरीयत में हराम है।

मऊआइमा इलाके में एक युवक की शादी के दौरान अजीब मामला सामने आया। जब डीजे बजाने पर नाराज काजी ने निकाह पढ़ाने से इन्कार किया दिया। बाद में दूसरे काजी ने सभी बारातियों से वजू कराया और दूल्हे को नहलाया। तब जाकर देर रात निकाह हुआ। मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव से जौनपुर बरात गई थी। जहां बराती डीजे पर ठुमका लगाते हुए लड़की के घर पहुंचे। इस दौरान लड़की पक्ष आवभगत न करते हुए डीजे बजाने पर नाराज हो गए। इसको लेकर दोनों पक्षों तकरार होने लगी। डायल 112 नंबर की पुलिस ने मौके पर पहुंच कर दोनों पक्षों को समझाया। घंटों मान–मनौव्वल के बाद दोनों पक्ष राजी हो गए, लेकिन काजी ने निकाह पढ़ाने से मना कर दिया। उन्होंने बरातियों को खरी–खोटी सुनाते हुए वहां से चले गए। घंटों इंतजार के बाद किसी तरह दूसरे काजी को बुलाया गया। जहां उसने दूल्हे को स्नान करने और बरातियों से वजू कराने और दुआ करके गलती मानने की शर्त रख दी।

नाच–गाना शरीयत में हराम है। अल्लाह से तौबा करने और माफी मांगने के बाद निकाह पढ़ाया गया।–मौलाना उबैद उल्ला, काजी

बिजली के लटके तारों से हादसे की आशंका

प्रयागराज। विद्युत विभाग की लापरवाही से बिजली का तार सड़क पर फैला हुआ है। कौड़िहार– कुरेसर लिंक मार्ग करीमुद्दीनपुर–शेखपुर साहब की पगडंडी पर बांस के खंभे पर लगी केबल तार राहगीरों के मौत की दावत दे रही है। जबकि पगडंडी से मजरा शेखपुर साहब के लोगों तथा किसानों, पशुपालकों का आवागमन होता है। मुख्य मार्ग से करीब 100 मीटर दूर बिजली विभाग ने गांव के एक व्यक्ति को घरेलू कनेक्शन दे रखा है। विद्युत विभाग के अनुसार केबल से कनेक्शन की दूरी 20 मीटर तय की है। जर्जर बांस के पोल पर फैली केबल से किसी भी समय अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय ग्रामीणों के विद्युत विभाग अधिकारियों से इस ओर ध्यान दिए जाने की मांग की है।

डिप्टी सीएम केशव बोले– पश्चिम बंगाल में खिलेगा कमल, जनता ममता बनर्जी से त्रस्त

प्रयागराज। डिप्टी केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ममता बनर्जी से त्रस्त होकर टीएमसी की सरकार उखाड़ फेंकने के लिए तैयार है। लोकतंत्र की हत्या करने वाली और घुसपैठियों को वोटर बनाने वाली टीएमसी सरकार अब जा रही है।

डिप्टी केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ममता बनर्जी से त्रस्त होकर टीएमसी की सरकार उखाड़ फेंकने के लिए तैयार है। लोकतंत्र की हत्या करने वाली और घुसपैठियों को वोटर बनाने वाली टीएमसी सरकार अब जा रही है। जनता ने कमल खिलाने का मन बना लिया है। देश में राहुल गांधी और यूपी में अखिलेश यादव सत्ता की मलाई न मिलने के कारण बौखलाहट में हैं और अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। ममता बनर्जी भी अब कुछ दिनों की मेहमान हैं। केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल को बर्बाद करके रख दिया है। यह राज्य देश के सबसे पिछड़े राज्यों में शामिल हो गया है। कभी पश्चिम बंगाल की तुलना महाराष्ट्र से की जाती थी, लेकिन आज यह पिछड़े राज्यों में शुमार है। पहले कम्युनिस्ट और उसके बाद टीएमसी ने पश्चिम बंगाल को बर्बाद करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। सत्ता में रहते हुए इन लोगों ने कोई विकास कार्य नहीं किया। कहा कि अखिलेश के शासन काल को याद करके जनता सिहर जाती है। सपा शासन काल में महिलाएं, व्यापारी कोई सुरक्षित नहीं थे। दंगा प्रदेश बन गया था यूपी। कांवड़ यात्रियों और राम भक्तों पर अत्याचार होता था। कुंभ में अव्यवस्था का आलम था। हिंदुओं पर अत्याचार सपा शासन काल में बढ़ गया था।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्हें वर्ष 2047 तक इंतजार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता अब विकास और सुशासन की राजनीति को प्राथमिकता दे रही है, न कि भ्रम फैलाने वाली राजनीति को। प्रदेश में चल रही डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच रहा है। प्रयागराज सहित पूरे उत्तर प्रदेश में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं और सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। भरोसा दिलाया कि सरकार "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के मूल मंत्र पर चलते हुए प्रदेश के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

शंकराचार्य निश्चलानंद बोले– ट्रंप एक दिन में बोलते हैं 20 झूठ, उनका तो उनके देश में भी हो रहा है विरोध

प्रयागराज। गोवर्धन मठ पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक दिन में 20 झूठ बोलते हैं। इसलिए उनकी बातों का महत्व अब विश्व स्तर पर नहीं रह गया है।

गोवर्धन मठ पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक दिन में 20 झूठ बोलते हैं। इसलिए उनकी बातों का महत्व अब विश्व स्तर पर नहीं रह गया है। इसके साथ ही साथ पुरी शंकराचार्य ने यह भी कहा कि उनके इसी रवैये के कारण अब उनके देश में भी उनका विरोध जनता कर रही है। पुरी शंकराचार्य ने यह बातें प्रयागराज में शनिवार को अपने 10 दिवसीय प्रवास के पहले दिन शिवगंगा आश्रम में पत्र प्रतिनिधियों से बातचीत के दौरान कहीं। इस दौरान भारी संख्या में उनके भक्त भी आश्रम में मौजूद रहे।

शंकराचार्य स्वामी निचलानंद सरस्वती जी महाराज ने पश्चिम एशिया में चल रही जंग को लेकर भारत की तटस्थ नीति को सही और उपयोगी बताया। कहा कि भारत कभी भी युद्ध के पक्ष में नहीं रहा है। उन्होंने आगे कहा कि भारत के अच्छे रिश्ते रूस से भी हैं। इसके साथ ही साथ अमेरिका से भी तमाम व्यापारिक संबंध हैं। ईरान से भी लंबे वक्त से भारत के रिश्ते अच्छे हैं। ऐसी स्थिति में भारत का तटस्थ रहना ही कूटनीति के लिहाज से भी उचित है। पुरी शंकराचार्य ने पश्चिम एशिया की जंग को लेकर भारत की विदेश नीति की भी प्रशंसा की।

पूरी दुनिया भारत की ओर आशा की दृष्टि से देख रही है

उन्होंने कहा कि भारत अपनी विदेश नीति के कारण ही रूस से लेकर ईरान और अमेरिका को भी साध रहा है। यही वजह है कि जब पूरे विश्व में हाहाकार मचा हुआ है। इसके बावजूद भारत में अब भी सब कुछ ठीक–ठाक चल रहा है। पश्चिम एशिया जंग को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि मोदी की दूर दृष्टि के कारण ही भारत की ओर आज विश्व की महा शक्तियां भी आशा की दृष्टि से देख रहे हैं। शायद उन्हें लगता है कि भारत ही ऐसा देश है जो विश्व में जंग के कारण चल रही उथल–पुथल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को लेकर किए गए सवाल पर पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म में शंकराचार्य से बड़ा कोई पद नहीं होता है और इस पद का सभी को सम्मान करना चाहिए। ऐसे पद पर किसी भी प्रकार की टीका टिप्पणी करना उचित नहीं है।

इस दौरान भक्तों ने भी धर्म और अध्यात्म को लेकर पुरी शंकराचार्य से कई प्रश्न किए। पुरी शंकराचार्य 13 अप्रैल तक अपने नई झूंसी स्थित शिवगंगा आश्रम में प्रवास करेंगे। इस दौरान रोजाना सुबह और शाम धर्म एवं आध्यात्मिक को लेकर संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।

आंधी और बारिश से जमींदोज हुई गेहूं की फसल, किसानों में छाई मायूसी

प्रयागराज। इलाके में शुक्रवार को सुबह मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया। दोपहर में अचानक तेज आंधी के बाद बारिश होने से रबी की फसलों को भारी नुकसान हुआ। वहीं आंधी ने कटाई के लिए तैयार गेहूं की फसलों को जमींदोज कर दिया। इसे लेकर किसानों में मायूसी छाई हुई है।

सोरांव तहसील गेहूं उत्पादन में अग्रणी है। शुक्रवार को अचानक तेज आंधी और बारिश ने रबी की फसलों को खासा नुकसान पहुंचाया है। इलाके के किसानों ने जहां सरसों की कटाई कर लिया है, वहीं गेहूं की 20 से 25 फीसद किसानों ने ही कटाई की है। कुछ किसानों ने तिरपाल डाल कर खलिहान में तैयार उपज को सुरक्षित करने की कोशिश की।

मातपुर गांव के किसान विजय गौतम ने बताया कि उनकी सरसों व गेहूं की फसल कट कर खलिहान में रखी थी। अचानक हुई बारिश से खराब हो गई। कटभर पेरवेजपुर गांव

के किसान शिवप्रसाद प्रजापति ने बताया कि उनकी दो बीघे गेहूं की फसल कटने के लिए तैयार थी। इधर, बारा में हवा के साथ हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। गेहूं की कटाई के समय हुई बारिश से न केवल फसल को नुकसान पहुंचा है बल्कि पैदावार भी प्रभावित हो सकती है। क्षेत्र के किसान राजू शुक्ला, संजय कुमार और मनोज कुमार ने बताया कि बारिश से गेहूं के दानों की चमक कम हो जाती है और बाजार में दाम कम हो जाता है।

वहीं नवाबगंज में तेज हवाओं के साथ बारिश से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई। किसानों के मुताबिक उत्पादन के अलावा गेहूं की कटी हुई फसल के दाने काले पड़ जाएंगे। वहीं तिलई बाजार में तेज आंधी के साथ बूंदाबांदी होने से खेतों में गेहूं की मड़ाई अधर में लटक गई है। किसान फसलों को तिरपाल से ढक कर बचाने में लगे रहे। वहीं प्रतापपुर में दोपहर में आंधी–बारिश से किसानों का भूसा भीग गया। किसान राम निरंजन और अशोक ने बताया कि अचानक हुई बारिश ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया।

सरायममरेज में पेड़ से लटका मिला किसान का शव

प्रयागराज। सरायममरेज थाना मुख्यालय से कुछ दूर शुक्रवार को सुबह किसान राजेंद्र प्रसाद मौर्य (50) का शव पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। किसान राजेंद्र प्रसाद तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। बृहस्पतिवार को शाम भोजन करने के बाद घरवाले सोए थे। देर रात घर से राजेंद्र प्रसाद गए। शुक्रवार को सुबह पता चला कि घर से कुछ दूर नीम के पेड़ पर उनका शव लटका मिला। पुलिस का कहना है कि परिजनों की तहरीर पर मामले की जांच की जा रही है। मृतक के दो बेटी और एक नाबालिग बेटा है।

बच्चों को जगाने गया युवक छत से गिरा, मौत

प्रयागराज। क्षेत्र के महेरा गांव में शुक्रवार की भोर सो रहे बच्चों को जगाने के लिए छत पर चढ़ा युवक पैर फिसलने से नीचे गिर गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे अस्पताल ले जा रहे थे कि रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। लालापुर थाना क्षेत्र के महेरा गांव निवासी कल्लू भारतीय (40) छत पर सो रहे बच्चों को जगाने छत पर चढ़ा। परिजनों की माने तो बारजा की ओर वह नीचे झांकने लगा। इसी बीच वह छत से गिर गया, जिससे वह घायल हो गया। परिजन उसे अस्पताल लेकर भागे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

आंधी आने से बारजे पर खड़ी महिला गिरी, मौत

प्रयागराज। आंधी आने से बारजे पर खड़ी जमीन पर गिर पड़ी। जब तक परिजन और ग्रामीण कुछ समझ पाते, महिला की मौत हो गई। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम हरिसेनगंज निवासी कृष्ण कुमार केसरवानी की पत्नी सुनीता देवी (40) शुक्रवार को दोपहर में तेज आंधी आने से बारजे पर लगी प्लाई को पकड़ लिया। इस दौरान महिला प्लाई के साथ नीचे गिर गई। जब तक परिजन और ग्रामीण महिला को अस्पताल ले जाते, उसने दम तोड़ दिया। पति कृष्ण कुमार केसरवानी मिष्ठान बनाने का काम करते हैं। जबकि मृतका परचून की दुकान चलाती थी।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक चालक घायल

प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र के पथरताल गांव में गुरुवार रात 8 बजे एक अनियंत्रित ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर से बाइक चालक का दाहिना पैर तीन जगह से टूट गया। हादसे के बाद आसपास के लोग भी घायल के पास पहुंचे। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर और क्षतिग्रस्त बाइक को हिरासत में ले लिया है। घायल बाइक चालक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोरांव भेजा गया। जहां प्राथमिक उपचार कर घायल बाइक चालक को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक देवनाथ (25) निवासी जादीपुर नथऊपुर कोरांव बाजार से बाइक से घर जा रहे थे कि पथरताल गांव में एक मिक्सर लेकर जा रहे अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। बाइक सवार बाइक समेत गिर गया और उसके पैर पर ट्रैक्टर का पहिया चढ़ गया। जिससे उसका दाहिना पैर तीन जगह से टूट गया। घायल बाइक चालक का उपचार जारी है। ट्रैक्टर को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। ट्रैक्टर धर्मराज पुत्र लाल जी निवासी कपासी कला थाना कोरांव का बताया जा रहा है। मामले में शुक्रवार को दोपहर बाद 2 बजे के करीब थाना प्रभारी राकेश कुमार वर्मा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि हादसे में क्षतिग्रस्त बाइक और ट्रैक्टर को हिरासत में ले लिया गया है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

करोड़ों की लागत से बन रही सड़क बदहाल

प्रयागराज। वर्षों बाद घूरपुर प्रतापपुर सड़क का नवीनीकरण शुरू किया गया। एक तरफ सड़क का नवीनीकरण किया जा रहा है तो दूसरी तरफ सड़क दरकने लगी और गड्ढे बनने शुरू हो गए हैं। जिससे ग्रामीणों ने जिलाधिकारी सहित विधायक बारा को अवगत कराया है। लालापुर के प्रतापपुर से घूरपुर को जाने वाली तरहार इलाके की मुख्य सड़क जो मुख्यालय से जोड़ती है ,कई वर्षों से खस्ताहाल थी। ग्रामीणों की सैकड़ों बार शिकायत के बाद सड़क का नवीनीकरण करोड़ों रुपये के बजट से शुरू हुआ। सड़क निर्माण शुरू होने पर ग्रामीणों ने घटिया सामग्री का उपयोग करने का आरोप लगाकर संबंधित अधिकारियों से शिकायत की। जब ठेकेदार मनमानी पर उतरा तो एक किसान यूनियन के नेता अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठे तब अधिकारियों ने काम बंद कराकर जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया तो धरना खत्म हो गया। ग्रामीण दीपक पांडेय, अजय सिंह, मनीष कुमार, कुलदीप पांडेय, दीपेश कुमार आदि ने बताया की मदुरी से लालापुर के बीच बनाई गई सड़क में दरार पड़ गई है, संबंधित अधिकारियों को सूचित किया गया तो उसमें सीमेंट बालू भरा गया

पर फिर से दरार आ गई। ग्रामीणों का यह भी आरोप है की ठेकेदार का एक रिश्तेदार सड़क का निर्माण करा रहा है, ठेकेदार अस्वस्थ होने के कारण साइट पर नहीं आते हैं इसलिए घटिया सड़क निर्माण किया जा रहा है।

पेड़ से लटकता मिला किसान का शव, हत्या का आरोप

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के सदरेपुर गांव में एक किसान का पेड़ पर लटका शव मिला। किसान की पत्नी ने हत्या का आरोप लगाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने पांच लोगों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। उतरांव थाना क्षेत्र के सराय इस्माइल के मजरा सदरेपुर गांव निवासी चन्द्रभान कुशवाहा (42) पुत्र राम धनेश बृहस्पतिवार की रात घर से खाना खाकर नलकूप पर सोने के लिए चले गए। देर रात दो बजे भाई विजय खेत में भूसा भरने गया।

टॉर्च और चप्पल देखकर उन्हें शक हुआ तो वे पेड़ के पास गए। वहां भाई को पेड़ से लटका देखा तो उसे सहसों स्थित एक अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक के परिवार में पत्नी विद्या देवी और दो बेटे अभय (19) व अभिषेक (17) हैं। मृतक चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था। मृतक की पत्नी विद्या देवी ने जमीन के विवाद में पति की हत्या का आरोप लगाया है।

जानकारी होने पर घटनास्थल पर एसीपी हंडिया शेषधर पांडेय मौके पर पहुंचे और परिजनों को हरसंभव कार्रवाई का आश्वासन दिया। थानाध्यक्ष उतरांव प्रीतम कुमार तिवारी ने बताया कि किसान की मौत कैसे हुई है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। बेटे अभिषेक की तहरीर पर पुलिस ने दिलीप कुशवाहा सहित पांच के खिलाफ आत्महत्या के लिए विवश करने की एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं आरोपी पूर्व प्रधान दिलीप कुशवाहा ने कहा कि पीड़ित पक्ष द्वारा लगाया अया आरोप निराधार है। जमीन का विवाद चल रहा है। कुछ लोगों द्वारा उनको फंसाने की साजिश रची जा रही है। आरोपी ने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है।

संक्षिप्त

अंदर राइफल साफ कर रहे बैंक के क्लर्क की गोली लगने से मौत

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के जानकीपुरम इलाके में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के क्लर्क की गोली लगने से मौत हो गई। वह घर में लाइसेंसी राइफल साफ कर रहे थे। इसी दौरान अचानक गोली चल गई जो उनकी ठुड्डी को चीरते हुए ऊपर सिर को पार कर गई। क्लर्क की मौके पर ही मौत हो गई। घटना पिंक सिटी मिर्जापुर की शनिवार सुबह 9 बजे की है। मृतक की पहचान प्रकाश मिश्रा (50) के रूप में हुई। घटना की सूचना पर जानकीपुरम थाने से पुलिस पहुंची। शव का पंचनामा भरते हुए पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में मामला हादसा लग रहा है। जानकीपुरम इंस्पेक्टर विनोद तिवारी ने बताया पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने साक्ष्य इकट्ठा किए। ससुर ईश्वरचंद्र मिश्रा ने बताया कि प्रकाश इस समय यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में क्लर्क के पद पर थे। सेक्टर–क्यू अलीगंज ब्रांच में तैनाती थी। वह एयरफोर्स से 2013 में रिटायर हुए थे। उसके बाद बैंक में नौकरी करने लगे थे। वह सुबह करीब 9 बजे राइफल साफ कर रहे थे। उसी दौरान हादसा हो गया। राइफल उनके पिता की थी जो उनके नाम हो गई थी। प्रकाश का मूल निवास हरदोई के कोतवाली शहर इलाके में है। वह यहां पत्नी रश्मि के साथ रहते हैं। उनकी बेटी शालिनी की उन्नाव में शादी हो चुकी है। बेटा स्पर्श कानपुर में बीटेक कर रहा है।

महिला की जमीन पर कब्जा, लेखपाल पर मिलीभगत का आरोप

लखनऊ (संवाददाता)। मोहनलालगंज तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में एक महिला ने अपनी जमीन पर अवैध कब्जे और क्षेत्रीय लेखपाल की मिलीभगत का गंभीर आरोप लगाया। उसने एडीएम सिटी से न्याय की गुहार लगाई और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रतापगढ़ जनपद के पट्टी तहसील क्षेत्र के ग्राम अतरसंड निवासी रीता देवी ने बताया कि रायभान खेड़ा गांव स्थित गाटा संख्या 325 में उनकी 9 बिस्वा जमीन है, जिस पर पहले से बाउंड्री बनी हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी तेजिंदर सिंह और कुछ प्रॉपर्टी डीलरों ने क्षेत्रीय लेखपाल की मिलीभगत से उनकी बाउंड्री तुड़वाकर जमीन पर कब्जा कर लिया। उनकी बाउंड्री सामग्री को भी अपनी जमीन में इस्तेमाल कर लिया गया। रीता देवी के अनुसार, लेखपाल द्वारा झूठी रिपोर्ट लगाकर यह दर्शाया गया कि उक्त भूमि पर उनका कब्जा नहीं है, जबकि उनके पास कब्जे के जीपीएस फोटो सहित सभी साक्ष्य मौजूद हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें दबाव बनाकर जमीन बेचने के लिए संदेश भिजवाए जा रहे हैं और चेतावनी दी जा रही है कि अन्यथा वह अपनी जमीन कभी वापस नहीं पा सकेंगी। समाधान दिवस में एडीएम सिटी महेंद्र पाल सिंह और एसडीएम पवन पटेल ने जनता की शिकायतें सुनीं। इस दौरान एसीपी विकास कुमार पांडे समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। अन्य शिकायतों में निगोहां क्षेत्र के ग्राम रामपुर गढ़ी जमुनी निवासी प्रिया ने आरोप लगाया कि उसके पति से गांव के ही एक व्यक्ति ने करीब 50 दिन तक राजगीरी का काम कराया, जिसकी लगभग 35 हजार रुपये मजदूरी बनती है। भुगतान मांगने पर जातिसूचक गालियां दी गईं और मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी गई। वहीं, दहियर गांव निवासी अनिल कुमार पांडे ने खतौनी में अंश गलत दर्ज होने की शिकायत की। उनका कहना है कि राजस्व निरीक्षक द्वारा संशोधन रिपोर्ट भेजे जाने के बावजूद अब तक खतौनी में सुधार नहीं किया गया है। इस पर एसडीएम ने जांच के आदेश दिए। अधिकारियों ने सभी मामलों में निष्पक्ष जांच कर जल्द निस्तारण का आश्वासन देते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला स्तरीय पुरस्कार वितरित, गायत्री शक्ति पीठ में मेधावी छात्र सम्मानित

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित गायत्री शक्ति पीठ में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह का माहौल उत्सव जैसा रहा, जहां मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, रिटायर आईएएस जगतराज त्रिपाठी और गायत्री शक्ति पीठ के मुख्य ट्रस्टी शिव शंकर मिश्रा ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मंच से सभी अतिथियों ने छात्रों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए भारतीय संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश दिया। आयोजन से जुड़े अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि यह भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का जिला स्तर का पुरस्कार वितरण समारोह है। इसमें पूरे जिले में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। यह परीक्षा शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में देव संस्कृति विश्वविद्यालय के माध्यम से आयोजित होती है, जिसमें देशभर के करीब 50 लाख छात्र हिस्सा लेते हैं। लखनऊ में इस परीक्षा में करीब 55 हजार विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिनमें 450 से अधिक स्कूल शामिल रहे। खास बात यह रही कि इसमें कक्षा 5 के छोटे बच्चों से लेकर ग्रेजुएशन और पोस्ट–ग्रेजुएशन तक के छात्र शामिल हुए। हर कक्षा के लिए अलग स्तर की पुस्तकें निर्धारित की गई थीं, जिससे छात्रों को उनकी क्षमता के अनुसार ज्ञान मिल सके।

रवि किशन और अनंत जोशी ''मामला लीगल है'' का जबरदस्त धमाल लेकर पहुँचे लखनऊ

लखनऊ (संवाददाता)। रवि किशन और अनंत जोशी मामला लीगल है सीजन 2 को प्रमोट करने के लिए लखनऊ पहुँचे। यहाँ पर उन्होंने शो के ड्रामा, हाजिर–जवाबी, और मस्ती की बेहतरीन डोज के साथ स्थानीय मीडिया से बात की। 'मामला लीगल है' में अपनी मजेदार बातों का जादू बिखेरने वाले अनंत जोशी ने कहा, "हम सभी सेट पर बहुत मजे करते हैं, साथ में अच्छा समय बिताते हैं, एक–दूसरे का सम्मान करते हैं और एक–दूसरे को वैसे ही स्वीकार करते हैं, जैसे हम हैं। 'मामला लीगल है' शो की खूबसूरती यही है और यही जोश स्क्रीन पर दिखती है और इसलिए ही 'मामला लीगल है' को दर्शकों से इतना प्यार मिल रहा है।" रवि किशन के मुताबिक दर्शकों को 'मामला लीगल है' जरूर देखना चाहिए, उन्होंने कहा, "यह शो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। ये घटनाएं वास्तव में हुई हैं।

एएसआरएचएमसी और यूएआरडीटी ने डंडागर्रा और दारसीपरु ग्रामों में बड़ेपैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया

ताडेपल्लीगुडेम। विश्व होम्योपैथी सप्ताह 2026 के चौथे दिन शनिवार को एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज तथा उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट के के संयुक्त तत्वावधान में पश्चिम गोदावरी जिले के डंडागर्रा और दारसीपरु गाँवों में होम्योपैथी के ष्मूर्त विज्ञानष पर व्यापक पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया गया।

आज के मिशन का मुख्य उद्देश्य मधुमेह, उच्च रक्तचाप और मोटापे सहित जीवनशैली संबंधी विकारों में केंद्रित करना था। चिकित्सा टीमों ने ग्रामीणों और कार्यालय कर्मचारियों को आवश्यक नैदानिक जांच और स्वास्थ्य परीक्षण प्रदान किए। सत्रों के दौरान, विशेषज्ञों ने केवल लक्षणों को दबाने के बजाय प्रणालीगत असंतुलन को संबोधित करके इन पुरानी स्थितियों के प्रबंधन में होम्योपैथी के नैदानिक घ्ध्दायरे पर जोर दिया।

डॉ. बी.आर. अंबेडकर गुरुकुलम बॉयज़ स्कूल एंड कॉलेज, अरुगोलानुमें एक उच्च प्रभाव जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गुरुकुलम के प्रिंसिपल, श्री मनुकोंडा दुर्गा राव की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जो प्राकृतिक प्रतिरक्षा और प्रारंभिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप के महत्व पर छात्रों को शिक्षित करने में चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ शामिल हुए। कार्यक्रम ने छात्रों को इस बात की वैज्ञानिक समझ प्रदान की कि कैसे होम्योपैथी चरम शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए एक सुरक्षित, प्रभावी और दुष्प्रभाव–मुक्त विकल्प के रूप में कार्य करती है। व्यापक सेवा कर्य को सुनिश्चित करने के लिए, विशेष चिकित्सा टीमों को विभिन्न क्षेत्रों को छात्र प्रशिक्षुओं और यूएआरडीटी स्वयंसेवकों के एक समर्पित समूह द्वारा समर्थित किया गया, जिन्होंने नैदानिक जांच की सुविधा प्रदान की और सूचनात्मक स्वास्थ्य साहित्य वितरित किया।

में तैनात किया गया थारू

डंडागर्रा क्षेत्ररू सेवाओं का नेतृत्व प्रोफेसर डॉ. आनंद कुमार पिंगली, डॉ. वी. सरोजिनी प्रियंका और डॉ. ए. प्रियंका ने किया। उन्होंने गुरुकुलम में छात्र स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया और स्थानीय कार्यालय कर्मचारियों और आम ग्रामीणों को नैदानिक सहायता प्रदान की गयी। दर्सिपार्रू क्षेत्ररू क्लिनिकल ड्राइव का नेतृत्व डॉ. डी. सुरेंद्र कुमार और डॉ. प्रवीणा ने किया, जिन्होंने चिकित्सीय परामर्श दिया और ग्रामीण समुदाय और स्थानीय कार्यालय कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता सत्र आयोजित किए।

वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों यह पहल राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग के आदेश को पूरा करने की दिशा में एक सक्रिय कदम है, जो चिकित्सा संस्थानों को समुदाय–आधारित नैदानिक सेवा और सार्वजनिक स्वास्थ्य वकालत को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करता है। इन स्क्रीनिंग और जागरूकता कार्यक्रमों का दस्तावेजीकरण करके, एएसआरएचएमसी साक्ष्य–आधारित चिकित्सा प्रणाली के रूप में होम्योपैथी की वैश्विक पहचान में योगदान दे रहा है।

प्रिंसिपल डॉ. आनंद कुमार पिंगली ने एएसआरएचएमसी और यूएआरडीटी द्वारा पूरे क्षेत्र में समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए 'प्रोजेक्ट हेल्थ ताडेपल्लीगुडेम' के लिए गहराई से प्रतिबद्ध होने की चर्चा करते हुए कहा, 'हम अपने कर्मचारियों और छात्रों के लिए विशेष होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर और जागरूकता सत्र आयोजित करने के लिए किसी भी स्कूल, कॉलेज या स्थानीय कार्यालय के साथ सहयोग करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।' 'मैं सभी संस्थागत प्रमुखों और सामुदायिक नेताओं से अपने सदस्यों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के लिए 9866388979 पर कॉलेज प्रशासन से संपर्क करने का आग्रह करता हूं।

गौरतलब ह कि एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज आंध्र प्रदेश में एक प्रमुख संस्थान बना हुआ है, जो होम्योपैथी के विज्ञान के माध्यम से 'सभी के लिए स्वास्थ्य' सुनिश्चित करने के लिए ग्रामीण नैदानिक सेवा के साथ अकादमिक उत्कृष्टता के लिए समर्पित है।

लोकगीतों में रचे–बसे सांस्कृतिक जीवन मूल्यों को संजोए रखना जरूरीः अशोक

प्रयागराज। नये लोक कलाकारों को अच्छी समझ के साथ आगे आने की जरूरत हमारे लोकगीतों में रची–बसी सांस्कृतिक चेतना के मुखरित स्वर और जीवन मूल्यों के राग–रंग हमारी लोक परंपराओं के संवाहक हैं। बीते डेढ़,दो दशकों में जहां एक अलग लय,धुन,ताल के नए,नए प्रयोग और सिर्फ मनरंजन के पर्याय गीतों का चलन सा हो गया है ।ऐसे बदलते दौर में लोक लय के प्रतीक रहे माटी के खांटी गीतों की अपनी विरासत को संजोए रखना बहुत जरूरी है। श्श्माटी के गीतों के बदलते लोकरंगश्श विषय पर शोध कर रहे,आकाशवाणी और दूरदर्शन के कार्यक्रम संचालक एवं चर्चित कवि अशोक सिंह बेशरम ने अपने गीतों की सिमटती इस परंपरा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि– जहां एक ओर कलात्मक शब्द शिल्प के प्रतीक रहे विशिष्ट कला के द्योतक अधर, बंदिश, शीशापलट, चौकड़ी ककहरा, झपताल जैसी गीतविधा

धीरे–धीरे हासिये पर सिमटती जा रही है।वहीं आज की नई पीढ़ी में लोक गायन की ललक लेकर मंच सजा रहे कलाकारों में अर्थार्जन और शोहरत की होड़ सी लगी है। हॉलीवुडिया और बॉलीवुडिया तराने,चूम चटाक गीतों की भरमार दिखाई पड़ रही है।हालांकि अभी भी गुरु–शिष्य परंपरा से जुड़े कई तालीमदार और संगीत साधक नये, नये कई लोक कलाकार अपने पुरखों की इस अनमोल पूंजी को संगोहने, सीखने, समझने के प्रति जागरूक हैं। किन्तु रियल और रील के बीच बढ़ती दूरियों के चलते,हमारे कई पारंपरिक, मौसमी, पर्व मान्य,सामाजिक और संस्कार गीतों का तानाबाना बदलता जा रहा है। अतीत की गायन परंपरा में समृद्ध रहे हमारे समाज में वैवाहिक मौके में महिलाओं द्वारा गाए जाने वाले सोहर, सुहाग, घाटो, माडौ, परछन, शगुन, बेलनहाई, पौपुजी, गारी, द्वारचार, उठान, विदाई जैसे गीतों की परम्परा भी कम होती जा रही है। वहीं मुंडन,अन्नप्रासन,व्रतबंध जैसे विविध संस्कार अवसरों पर गाए जाने वाले गीतों में भी काफी बदलाव आया है। हमारे जाति गीत,प्रतिक्रिया गीत,फागुनी गीत,वर्षा गीतों की पुरानी परम्परा भी बहुत हद तक तब जैसी नहीं दिख रही। हमारे कलाकारों को चाहिए कि अपने घर आंगन, सामाजिक सम्बन्धों, खेत, सिवान, संस्कृति संस्कार और लोक परंपरा की सर्जना से जुड़े, माटी और परिपाटी के साथ–साथ जन चेतना के परिचायक अपने लोकगीतों के अतीत को वर्तमान से जोड़ते हुए भविष्य के नए पायदान तक ले चलने की जरूरत है जिससे पुरखों के लोक गायन की अनमोल थाती और पहचान को आगे आने वाली पीढियों में भी जीवंत रखा जा सके।

पंचायत चुनाव में देरी पर सपा छात्र सभा का प्रदर्शन, 'चुनाव टालना बंद करो' के नारे लगाए

लखनऊ (संवाददाता)। सपा छात्र सभा से जुड़े 8 छात्रों ने लखनऊ में शनिवार को प्रदर्शन किया। उनकी मांग थी कि पंचायत चुनाव की तारीख घोषित की जाए। प्रदर्शन के दौरान छात्र कार्यकर्ताओं ने "पंचायत चुनाव टालना बंद करो, लोकतंत्र का सम्मान करो" जैसे नारे लगाए। हालात को काबू में रखने के लिए पहले से ही भारी पुलिस बल तैनात था। प्रदर्शनकारी जैसे ही हजरतगंज चौराहे से नारे लगाते हुए आगे बढ़े, उन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया और गाड़ी में बैठाकर इको गार्डन भेज दिया। प्रदर्शन कर रहे प्रकाश मौर्या ने कहा कि जो लोग चुनाव लड़ना चाहते हैं, उनके अंदर बहुत घबराहट है। ग्रामीण क्षेत्र के लोग जमकर नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। समय रहते चुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं की गई तो गांववालों का आक्रोश बढ़ता जाएगा और भारतीय जनता पार्टी को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। गांववालों की भावनाओं का सम्मान करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ को तत्काल चुनाव की तारीख घोषित कर देना चाहिए। सरकार मनमानी तरीके से रवैया अपना रही है। अगर यह चाहती तो समय पर सब कुछ होता। भाजपा आम जनता को गुमराह करना चाहती है। भाजपा चाहती है कि कोई भी चुनाव समय पर ना हो। सुल्तानपुर से प्रदर्शन में आए मनोज कुमार 'क्रांतिकारी' ने कहा कि यह सरकार संविधान को नहीं मानती। आम जनता की भावनाओं का सम्मान नहीं करती। यह सरकार सिर्फ लोकसभा और विधानसभा का चुनाव समय पर करती है मगर आम जनता से जुड़ा हुआ ग्रामीण और किसानों से जुड़ा हुआ सबसे बड़ा चुनाव पंचायती चुनाव होता है। पंचायती चुनाव सीधे आम जनता की भावनाओं और मुद्दों से जुड़ा होता। प्रदेश की सबसे बड़ी आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। पंचायती चुनाव टलने से सरकार की योजनाओं का लाभ जो किसानों को मिलना चाहिए उससे वो वंचित रह जाते हैं। चुनाव में जितना देरी होगी किसान उतना ज्यादा प्रभावित होगा।

लखनऊ की पूजा गर्ग बनीं फिक्की फ्लो की 43वीं राष्ट्रीय अध्यक्ष

सिमरन साहनी बनी फ्लो लखनऊ चैप्टर की नई चेयर पर्सन

लखनऊ (संवाददाता)। फिक्की लेडीज ऑर्गनाइजेशन (एफएलओ) गर्व के साथ घोषणा करता है कि लखनऊ की पूजा गर्ग ने 2026,27 के लिए फ्लो की 43वीं राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। आज जोपलिंग रोड स्थित होटल फार्च्यून में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि उनके एक वर्षीय कार्यकाल में महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करेंगी। जिसके लिए वे एक सक्षम वातावरण तैयार करेंगी। जो उद्यमिता, उद्योग में भागीदारी और महिलाओं के आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। उनके नेतृत्व में, एफएलओ भारत की औद्योगिक और आर्थिक विकास गाथा में महिलाओं के बड़े योगदान को प्रोत्साहित करने के लिए कई पहल करेगा।

प्रेम की पहली सीढ़ी

(छप्पय)

जीवन के संवाद प्रात बनकर जब छाए।
गुनगुन करता प्रेम सभी के दिल को भाए।
ढाई अक्षर मात्र अर्थ जिसका है गहरा।
बंधन से हो मुक्त न रखना कोई पहरा।
सच्चाई की राह है विश्वासों की जीत है।
अनुबन्धो के बन्ध में अप्रतिम प्रियतम प्रीत है।।

अनुरागी–अनुराग बताती हर इक पीढ़ी।
निर्मल मन की प्रीत प्रेम की पहली सीढ़ी।
खुद ही खुद को मेट त्याग की मूरत गढ़ के।
बन उसके अनुरूप सभी को अपना कहके।
धर्म–कर्म, धन–प्रेम है जिसने जाना है इसे।
धूप– छाँव सम भाव रख देती हैं खुशियाँ उसे।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भयहरणनाथ धाम में चौथा सामाजिक सत्याग्रह 5 अप्रैल आज

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में 5 अप्रेल रविवार को चौथा सामाजिक सत्याग्रह प्रबन्ध संस्थान व क्षेत्रीय समाज द्वारा दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक होगा. सत्याग्रह में धाम की वर्तमान भूमि के चिन्हांकन तथा प्राचीन भूमि से अनाधिकार कब्जा हटाकर पुनः जनोपयोगी बनाने की माँग भोले नाथ व ज़िला प्रशासन से की जाएगी। महासचिव समाज शेखर के संयोजन में

आयोजित सत्याग्रह में लगातार निजी आधिपत्य हेतु एक पुजारी व उनके जी व्यक्तिगत हितशियों द्वारा निरंतर उत्पन्न की जा रही अव्यवस्था व मनमाने पन पर नियंत्रण की मांग होगी. अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल व कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह ने राजस्व विभाग से वायदे के अनुसार सत्याग्रह अथवा यथा शीघ्र अबिलम्ब भूमि चिन्हांकित किये जाने की माँग की है।

शादी समारोह में फायरिंग करने वाला फरार पूर्व पार्षद तिलक वीर नोएडा से गिरफ्तार

मथुरा। कोतवाली पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए मुखबिर की सूचना पर करीब तीन सप्ताह से फरार चल रहे पूर्व पार्षद चौधरी तिलक वीर ,रवी, गिरीश, राजू उर्फ राजीव और सौदान सिंह को ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क के पास स्थित होटल डोलिंग रिसोर्ट से पुलिस ने दबोच लिया। सभी आरोपी कृष्ण विहार कॉलोनी, थाना कोतवाली

मथुरा के निवासी हैं। मिली जानकारी के अनुसार, 12 मार्च को सियाराम वाटिका में आयोजित एक विवाह समारोह के दौरान तिलक वीर और उनके साथियों का बारातियों से विवाद हो गया था। आरोप है कि विवाद के दौरान अंधाधुंध फायरिंग की गई, जिसमें एक महिला घायल हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस के साथ भी आरोपियों ने अभद्रता करते हुए धक्का–मुक्की की और पुलिस द्वारा जब्त की गई पिस्टल छीनकर मौके से फरार हो गए थे। फरारी के दौरान प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए जिलाधिकारी द्वारा तिलक वीर के दोनों शस्त्र लाइसेंस निलंबित कर दिए थे। सर्विलांस की मदद से एसओजी को गुरुवार को आरोपियों के नोएडा में होने की सटीक सूचना मिली, जिसके बाद घेराबंदी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल सहायक पुलिस अधीक्षक (आईपीएस) आसना चौधरी के नेतृत्व में सभी आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। इस सफल कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक विनोद बाबू मिश्रा, उपनिरीक्षक रविंद्र बाबू, पवन चौहान, एसओजी प्रभारी संदीप सहित स्वाट व एसओजी टीम के कई पुलिसकर्मी शामिल रहे।

आईपीएल की ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मियों को दिया जा रहा बदबूदार खाना

पुलिसकर्मियों की सुविधाओं को देखना हमारी जिम्मेदारी : जेसीपी कानून व्यवस्था

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के इकाना स्टेडियम में इन दिनो आईपीएल के मैचों का आयोजन किया जा रहा है। कानून व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों के लिये लखनऊ कमिश्नरेट के हर स्तर के पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर तैनात किया गया है। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को इकाना स्टेडियम प्रशासन की तरफ भोजन के पैकेट प्रदान किये जाते है। वहां ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने आरोप लगाया है कि पैकेट में मिले भोजन की क्वालिटी ठीक नही है। हो सकता है देर से मिलने और गर्मी के कारण भोजन प्रदूषित हो गया हो। पुलिसकर्मियों के अनुसार मिले भोजन में सड़ने की बदबू आ रही थी। जिसके कारण उसे खाने की बजाय फेंकना पड़ा। सवाल यह उठता है आईपीएल जैसे आयोजनों में पैसो की कोई कमी नहीं होती है। जो बीसीसीआई की पूर्ण निगरानी में होते है। वहां रात–दिन ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का इतनी घटिया क्वालिटी का खाना कैसे दिया जा सकता है। जबकि आयोजकों की तरफ से फंडिग भरपूर आती है। जिन घटिया काले रंग की प्लास्टिक की थाली में खाना पैक करके दिया जा रहा है वह किसी भी सूरत से फूड ग्रडेबल नहीं है।

सम्पादकीय.....

अर्थव्यवस्था दुरुस्त है लेकिन प्रबंधन दोषपूर्ण!

देर से ही सही लेकिन जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान इजरायल–अमेरिका युद्ध को लेकर संसद में और बाहर भी जब कभी भी कुछ कहा है तो वे स्थिति को गंभीर बताते हैं। लेकिन सोमवार को जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, जिनके ऊपर अर्थव्यवस्था के प्रबंधन का असली जिम्मा है, ने संसद में बयान दिया तो उनके कहने का मतलब ठीक वैसा नहीं था जैसा प्रधानमंत्री की चिंता है। उन्होंने अर्थव्यवस्था की स्थिति को मजबूत बताने के साथ ही रुपये की गिरावट को अन्य एशियाई देशों की मुद्राओं की तुलना में कम ही बताया। जिस दिन रुपया डालर के मुकाबले 95 के स्तर को छूकर वापस आया उस दिन ही हमारी वित्त मंत्री 4.1 फीसदी की गिरावट को कुछ ऐसा बता रही थीं कि पश्चिम एशिया संकट कोई चीज नहीं है। उन्होंने उसी दिन शेयर बाजार और सर्राफा बाजार की गिरावट का जिक्र करना भी जरूरी नहीं माना और सरकार द्वारा इस बीच उठाए कदमों की चर्चा भी नहीं की। हम जानते हैं कि सरकार ने पहले तो पेट्रोलियम वितरण में सबसे बड़ी निजी कंपनी को दाम बढ़ाने की छूट दी और फिर कमर्शियल गैस के दाम बढ़ाए। इससे भी आगे बढ़ाकर उसने विभिन्न करों में कटौती वापस लेकर तेल कंपनियों को लगभग दस रुपये लीटर का अतिरिक्त लाभ लेने की इजाजत दी। पहले यह धन सरकारी खजाने में आता था। बीते वर्षों में इससे सरकार को चालीस लाख करोड़ रुपये मिलने का अनुमान है। यह अभी घटा है, खत्म नहीं हुआ है। अब वित्त मंत्री को इन पक्षों की चर्चा करने में क्या दिक्कत थी इसे समझना तो मुश्किल है लेकिन यह समझने में कोई दिक्कत नहीं है कि अगर पांच राज्यों में विधान सभा चुनाव न होते तो अब तक तेल और गैस की कीमतों में आग लग चुकी होती। और जो प्रधानमंत्री आजकल अर्थव्यवस्था की या मुल्क की हालत की चर्चा करते समय गंभीरता की चादर ओढ़े रहते हैं वही परेशानियों का शोर मचाते रहते हैं। आज वे और उनके समर्थक(जिसमें मीडिया के लोग भी शामिल हैं) लगातार यही सूचना दे रहे हैं कि कहीं कमी नहीं है, सिर्फ विपक्ष अफवाह फैला रहा है। जाने कितने जहाज तेल और गैस लेकर होर्मुज से आगे बढ़ चुके हैं। जबकि ऐसे जहाजों की संख्या पहले की तुलना में काफी घट गई है और ईरान ने भी बहुत मान मनौव्वल के बाद कुछ जहाजों को आने की इजाजत दी। उन पर बीमा का खर्च समेत बाकी क्या बोझ बढ़ा है उसका हिसाब अलग है। इस बीच हमारी सरकार ने रूस से तेल लेने में जो व्यवहार दिखाया है (और उसमें अमेरिकी दबाव बहुत साफ दिखता है) उससे नाराज रूस अब तेल देना ही बंद कर रहा है। इसलिए सिर्फ तेल वाले पक्ष की ही चर्चा हो तो उस पर वित्तमंत्री को काफी कुछ कहना था। वे बोलें न बोलें सामान्य समझ और बाहर दिख रहे दृश्य यह बताते हैं कि सचमुच के हाहाकार की स्थिति है। और अगर युद्ध अब जरा भी लंबा खींचा तो अर्थव्यवस्था के पूरे स्वास्थ्य को तो प्रभावित करेगा ही हमारी रसोई और पारिवारिक बजट को चौपट कर देगा। गैस की कमी ने होटलों–रेस्तरां में मेन्यू बदला है तो कई चीजों के दाम बढ़ गए हैं। कुछ उद्योग तो सीधे प्रभावित हो रहे हैं तो बाकी पर भी असर आएगा ही। निश्चित रूप से सरकार की एजेंसियां अपने काम में कुछ ज्यादा तत्पर हुई हैं लेकिन यह तत्परता देर से शुरू हुई है। जब प्रधानमंत्री युद्ध शुरू होने के दो दिन पहले इजरायल में घूमने फिरने जाते हैं तो बाकी लोग कैसे आपात स्थिति की तैयारी कर सकते हैं। जब युद्ध की मार पड़ती है तो इजरायल अपनी स्थिति देखेगा और अमेरिका खाड़ी के अपने चेले चपाटियों की रक्षा करेगा या आपकी चिंता करेगा। और जब ईरान के ऊपर गलत हमले और उसके शासन प्रमुख की हत्या पर आपके मुंह से दो शब्द नहीं निकलते तो वह युद्ध लड़ते हुए आपको कैसे कंधे पर बैठाए घूमेगा। फिर तो आपको अपनी तैयारी और प्रबंधन से ही काम करना होता जो आपने दिखाई नहीं। आज चुनावी चिंता से जो चौकसी दिखती है वही कुछ समय पहले से शुरू रहती तो कई मामलों में हम बेहतर स्थिति में होते क्योंकि युद्ध से हमारा नाता बहुत दूर–दूर का ही है और हमने बाद में बेमतलब टांग अड़ाकर अपना नुकसान कराने वाली स्थिति नहीं बनाई है। लेकिन इस दौरान शेयर बाजार, करेंसी बाजार और सर्राफा बाजार में जिस तरह की घबराहट और बेचैनी दिख रही है उसका काफी कुछ तो हमारा खुद का बनाया हुआ है। जाने कब से जानकार कह रहे हैं कि हमारा शेयर बाजार ओवर रेटेड है अर्थात जितना अच्छा हाल कम्पनियों का नहीं है उससे कहीं ज्यादा बढ़िया हाल उनके शेयरों का है। जाहिर है इस बनावटी खेल में सरकार और उसकी कर्ता–धर्ता संस्थाओं ने भी अपनी भूमिका निभाई है।

जनजातीय खेल प्रतिभा, हमारा राष्ट्रीय गौरव

मैंने देखा है कि ग्रामीण क्षेत्रों और वनांचलों में, बच्चे घर के बाहर प्रकृति के सानिध्य में अधिक समय बिताते हैं। वे खेल–कूद के सहज तरीके खोज लेते हैं। वे मिट्टी में लकीरें खींचकर और आकृतियां बनाकर, खेलने की जगह तैयार कर लेते हैं। वे फलों के सूखे बीजों का खेल की गोटियों की तरह इस्तेमाल कर लेते हैं। सूखे पत्तों, पेड़ों की जड़ों और फटे–पुराने कपड़ों से गेंद बना लेते हैं। बांस का उपयोग करके हॉकी और फुटबाल के गोल–पोस्ट बना लेते हैं। बहुत से बच्चे बिना जूते और जर्सी के पूरे जोश से खेलते रहते हैं। पोखरों–तालाबों में बच्चे खूब तैरते हैं। तैराकी की इस सहज प्रतिभा को अब उपलब्ध प्रशिक्षण और संसाधनों की सहायता से विकसित करके, केवल 15 वर्ष की, जाजपुर की बेटी अंजलि मुंडा ने प्रथम 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' में पहले ही दिन 3 स्वर्ण पदक जीत कर पूरे देश के युवाओं को प्रेरित किया। तीरंदाजी के प्रति जनजातीय लोगों में सहज तरंग सी होती है। संताल–समुदाय ने वर्ष 1855 में शोषण के विरुद्ध एक घनघोर संग्राम किया था, जो 'संताल हूल' के नाम से अमर है। आधुनिक हथियारों से लैस ब्रिटिश सेनाओं ने उस क्रांति को दबा तो दिया लेकिन अपने विवरणों में अंग्रेजों ने संताल वीरों के युद्ध कौशल, खासकर तीरंदाजी का विशेष उल्लेख किया है। संताल–हूल का नेतृत्व करने वाले बहादुर भाइयों सिद्धो–कान्हू तथा चांद–भैरव एवं वीरांगना बहनों, फूलो–झानो की प्रतिमाओं का झारखंड में उनके गांव उरी–मारी में जाकर अनावरण करने का सौभाग्य मुझे तब मिला था, जब मैं राज्यपाल थी। तीरंदाजी में एकलव्य की महानता से देश का बच्चा–बच्चा परिचित है। वे श्रेष्ठतम धनुर्धर के रूप में सम्मानित हैं। एकलव्य सभी देशवासियों के लिए, विशेषकर जनजातीय समाज के लिए एक प्रेरक विभूति हैं। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में स्थापित 'खेल उत्कृष्टता केंद्र' बच्चों को खेल–कूद की आधुनिक सुविधाओं और पद्धतियों से सक्षम बना रहे हैं। मेरे व्यक्तिगत प्रयासों से, मेरे गांव में वंचित वर्गों के बच्चों के लिए एक आवासीय स्कूल की स्थापना की गई है। इस विनम्र प्रयास के तहत स्कूल के परिसर में ही तीरंदाजी के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी कराई गई है। मेरे गांव के अन्य जनजातीय बच्चों की तरह, मुझमें भी तैराकी सहित व्यायाम और खेलों के प्रति बहुत रुझान था। मैं स्कूल की खेल प्रतियोगिताओं में प्रायरू प्रथम स्थान पर रहती थी। एक प्रतियोगिता में जानबूझकर मैंने अपने को इसलिए पीछे रखा, ताकि मेरी एक सहेली को प्रथम पुरस्कार का आनंद मिल सके। खेल–कूद से टीम भावना विकसित होती है तथा सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं। मैदान पर कड़ी प्रतिस्पर्धा और मैदान के बाहर गहरी मित्रता खिलाड़ियों में प्रायरू देखने को मिलती है। मेरे भाई फुटबाल के बहुत अच्छे खिलाड़ी रहे हैं, जो गंभीर चोट लगने के कारण आगे नहीं खेल सके। मेरे परिवार के कुछ अन्य सदस्यों ने भी विभिन्न खेलों में उत्कृष्टता प्रदर्शित की है। इस निजी विवरण से मैं यह बताना चाहती हूं कि जनजातीय परिवारों में खेल–कूद की जीवन्त परंपरा विद्यमान है। उनमें खेलों के लिए असीम प्रतिभा, ऊर्जा, रुचि है और आगे बढने का हौसला भी है। सुविधाओं और प्रशिक्षण के द्वारा ऐसी प्रतिभाओं को निखारने से, खेल–कूद उनके लिए केवल मनोरंजन और सामाजिक मेल–जोल का जरिया न होकर जीवन में आगे बढने का, आध्थक आत्म–निर्भरता और सामाजिक सम्मान प्राप्त करने का माध्यम बन सकता है। कुछ वर्षों पहले तक हमारे देश में खेल–कूद की अच्छी सुविधाएं केवल महानगरों तक सीमित थीं, जबकि ग्रामांचलों और वनांचलों में अनेक प्रतिभावान खिलाड़ी रहते हैं। जनजातीय क्षेत्रों में खेल–अकादमी और प्रशिक्षण सुविधाएं सुलभ नहीं होती थीं। अब एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में बच्चों के खेल–कूद पर विशेष ध्यान देने से लेकर 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल' जैसे प्रयत्नों के बल पर जनजातीय प्रतिभाओं को प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिल रहा है। मुझे याद है कि मेरे विद्यार्थी जीवन के दौरान ग्रामीण स्तर पर, 5–6 गांवों के लोग मिलकर खेल प्रतियोगिताएं आयोजित किया करते थे। प्रायरू ग्रामीण क्षेत्र की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अच्छे खिलाड़ी भी ग्रामीण स्तर से ऊपर नहीं उठ पाते थे। पिछले कुछ वर्षों में, इस स्थिति को बदलने के अनेक सराहनीय प्रयास किए गए हैं। ऐसे प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए 'खेलो इंडिया जनजातीय खेल 2026' का आयोजन किया गया। इस आयोजन से जमीनी स्तर के जनजातीय खिलाड़ियों को भी पहचान मिली है तथा उन्हें सुविधाएं और प्रशिक्षण उपलब्ध कराए गए हैं। इन राष्ट्रीय खेलों में लगभग सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। भारत ने खिलाड़ियों की नैसघ्गक प्रतिभा के बल पर ओलिम्पिक खेलों में पहला स्वर्ण पदक हॉकी के लिए वर्ष 1928 में जीता था। उस विजय में जनजातीय समुदाय के खिलाड़ियों की महत्वपूर्ण भूमिका थी। तब से लेकर आज तक दिलीप तिर्की, सुबोध लाकड़ा और सलीमा टेटे जैसे स्टार हॉकी खिलाड़ी भारत की पुरुष तथा महिला टीमों को जनजातीय प्रतिभा से समृद्ध करते रहे हैं। 'खेलो इंडिया' नामक राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम के तहत स्थानीय स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सभी भौगोलिक क्षेत्रों, सामाजिक वर्गों और संस्थाओं के लिए समुचित खेल इको–सिस्टम उपलब्ध कराने का समावेशी प्रयास किया जा रहा है। इसी कार्यक्रम के तहत, खेल–कूद में बेटियों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही 'अस्मिता' नामक योजना से जनजातीय बेटियों की क्षमता भी विकसित हो रही है। पिछले कुछ महीनों में आयोजित बस्तर एवं सरगुजा ओलिम्पिक में कुल 7 लाख से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें कुछ ऐसे युवा भी शामिल थे जो नक्सलवाद के रास्ते को छोड़कर खेल–कूद के सन्मार्ग पर चल पड़े हैं। सरकार द्वारा युवाओं में खेल–प्रतिभा को पहचानने और विकसित करने के अच्छे परिणाम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दिखाई देने लगे हैं। युवाओं, विशेषकर जनजातीय युवाओं की खेल प्रतिभा हमारे राष्ट्र की अमूल्य सामाजिक पूंजी है। मुझे विश्वास है कि इस अनमोल संसाधन का सदुपयोग करते हुए हमारा देश खेल–कूद के क्षेत्र में उत्कृष्टता के अनेक गौरवशाली प्रतिमान स्थापित करेगा। इसी विश्वास के साथ मेरा संदेश है–खेलो इंडिया! खूब खेलो इंडिया!

धीरे–धीरे हकीकत में बदल रहे हैं भारत के ईरान युद्ध के डर

के. रवींद्रन

ईरान युद्ध को लेकर भारत की सबसे गहरी आर्थिक चिंताएं अब काल्पनिक नहीं रह गई हैं। ये धीरे–धीरे सामने आ रही हैं, और उस क्रम में जिसका नीति निर्माताओं को शुरू से ही डर था। एक दूरस्थ लेकिन ऊर्जा–महत्वपूर्ण क्षेत्र में भू–राजनीतिक संघर्ष के रूप में शुरू हुआ यह मामला अब भारतीय रसोई, कारखानों, एयरलाइन बैलेंस शीट और मुद्रा बाजारों तक पहुंच गया है। पहला चेतावनी संकेत हमेशा ईंधन और गैस आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान ही रहा है। यह व्यवधान अब पूरी ताकत से आ चुका है, जिससे अधिकारियों और बाजार प्रतिभागियों के अनुसार दशकों में सबसे गंभीर गैस संकट पैदा हो गया है। एक अप्रैल को वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतें फिर से बढ़ा दी गईं, औद्योगिक उपयोग को प्रतिबंधित करके घरेलू आपूर्ति को सुरक्षित रखा गया है, और विकल्पों की तलाश ने पहले ही सभी क्षेत्रों में उत्पादन लागत को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत में एलपीजी केवल एक उपभोक्ता ईंधन नहीं है। यह घरेलू कल्याण, छोटे व्यवसायों की व्यवहार्यता और राजनीतिक संवेदनशीलता के चौराहे पर स्थित है। कमी या कीमतों में अचानक वृद्धि केवल ऊर्जा व्यापारियों तक ही सीमित नहीं रहती। यह रेस्तरां, खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, सिरेमिक इकाइयों, धातु कार्यशालाओं और अन्य उन समूहों तक तेजी से फैलती है जो वाणिज्यिक सिलिंडरों या गैस–आधारित इनपुट पर निर्भर हैं। एक बार जब औद्योगिक और वाणिज्यिक उपयोगकर्ताओं को सीमित आपूर्ति के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, तो वे या तो बहुत अधिक कीमत चुकाते हैं या डीजल जैसे महंगे विकल्पों की ओर रुख करते हैं। यह प्रतिस्थापन फिर ऊर्जा श्रृंखला में अन्य जगहों पर दबाव को और गहरा कर देता है। दूसरे शब्दों में, एलपीजी संकट युद्ध का प्रकारान्तर से दुष्प्रभाव नहीं है। यह व्यापक मुद्रास्फीति संचरण तंत्र में पहली स्पष्ट दरार है। भारत आपूर्ति को राशन कर सकता है, चरणबद्ध कर सकता है और मोड़ सकता है, लेकिन ये आपातकालीन प्रबंधन उपकरण हैं, स्थायी समाधान नहीं। दूसरा डर कच्चे तेल का था, और यह हमेशा से अधिक अनुमानित झटका था। आयातित तेल पर भारत की भारी निर्भरता खाड़ी देशों में अस्थिरता की स्थिति में इसे अत्यधिक असुरक्षित बना देती है। एक बार जब युद्ध तेज हो गया और होर्मुज जलडमरूमध्य एक वास्तविक रणनीतिक जोखिम बन गया, तो पेट्रोलियम की कीमतों में वृद्धि केवल समय की बात थी। मार्च में अभूतपूर्व उछाल के बाद ब्रेंटक्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई है, जबकि पूर्वानुमानकर्ताओं ने इस वर्ष के लिए अपने तेल अनुमानों में भारी संशोधन किया है। भारत के लिए, यह केवल आयात बिल की समस्या नहीं है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें परिवहन, उर्वरक, विमानन, विनिर्माण, रसद और मुद्रास्फीति की उम्मीदों पर एक साथ असर डालती हैं। नई दिल्ली ने झटके को कम करने के लिए ईंधन उत्पाद शुल्क में कटौती की है, लेकिन ऐसे कदम उपभोक्ताओं, तेल कं पनियों और सरकारी खजाने के बीच दर्द का केवल पुनर्वितरण करते हैं। वे इसे खत्म नहीं करते। यहीं पर रुपये पर विशेष ध्यान दिया जाता है। मुद्रा युद्ध के प्रति भारत की संवेदनशीलता की सबसे स्पष्ट बाजार अभिव्यक्ति बन गई है। तेल की ऊंची कीमतें चालू खाते के दृष्टिकोण को खराब करती हैं। पहले से ही सतर्क विदेशी निवेशक इक्विटी और बॉन्ड से पैसा निकाल रहे हैं। वैश्विक जोखिम से बचने की प्रवृत्ति पूंजी को डॉलर की ओर धकेल रही है। इनमें से प्रत्येक कारक अपने आप में असहज करने वाला है। संयुक्त रूप से, वे बाहरी दबाव पैदा करते हैं। रुपया डॉलर के मुकाबले 94 से नीचे के रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिर गया है और वित्तीय वर्ष में एशिया की सबसे कमजोर मुद्राओं में गिना गया है, कई गणनाओं के अनुसार इसका मूल्यह्रास लगभग 10 प्रतिशत या उससे अधिक रहा है। इससे उपयोगकर्ता का दृष्टिकोण मोटे तौर पर सही साबित होता है, मुद्रा तेल संकट, पोर्टफोलियो बहिर्वाह और भू–राजनीतिक अनिश्चितता के संयुक्त प्रभावों से भारी दबाव में है, न कि अलग–अलग प्रभावों से। फिर भी, रुपये के 100 प्रति डॉलर के स्तर को पार करने के प्रश्न के लिए अधिक सावधानीपूर्वक विश्लेषण की आवश्यकता है। यह अब कोई अप्रत्याशित परिदृश्य नहीं है, लेकिन यह तत्काल निश्चित भी नहीं है। बाजार गोल संख्याओं को मनोवैज्ञानिक सीमा के रूप में देखते हैं क्योंकि वे वास्तव में पहुंचने से पहले ही व्यवहार को बदल सकती हैं। आयात कहेजिंग के लिए दौड़ पड़ते हैं, निर्यातक मुद्रा रूपांतरण में देरी करते हैं, परिवार समाचारों पर ध्यान देते हैं, और अटकलें तेज हो जाती हैं। विश्लेषकों ने पहले ही मध्यम तनाव की स्थिति में 98 रुपये प्रति डालर को एक संभावित बिंदु के रूप में सुझाया है।

जबकि संघर्ष के लंबे समय तक चलने और ऊर्जा व्यवधान के स्थायी होने की स्थिति में कहीं अधिक गंभीर परिणामों पर चर्चा की जा रही है। इसका मतलब है कि 100 का स्तर अब अकल्पनीय नहीं है। लेकिन मुद्रा के संदर्भ में वर्तमान स्तर से 100 तक की दूरी अभी भी काफी अधिक है, और इसके लिए संभवतरू या तो तेल की कीमतों में फिर से उछाल, पूंजी का अधिक पलायन, या अधिकारियों द्वारा भंडार को अधिक आक्रामक रूप से खर्च करने के बजाय आगे समायोजन को सहन करने का जानबूझ कर निर्णय लेना आवश्यक होगा।

सीमा वर्णिका की कलम से

'तुम नहीं समझोगी'

'पापा का इतने दिन बाद फोन.. कैसे.., 'फोन की घंटी सुनकर मालिनी के दिमाग में सैकड़ों आशंकाओं ने जन्म ले लिया ।

पापा ने माँ के देहांत बाद दूसरी शादी कर ली थी तबसे उसने पापा को फोन नहीं किया था। लोगों ने कितनी बातें बनायी थीं। उसे कितनी शर्मिन्दगी का सामना करना पड़ा था।

'हाँ ! पापा बताएँ.. नमस्ते ! कैसे हैं .., 'हड़बड़ाते हुए मालिनी ने कहा।

'बेटा ...बस ठीक हूँ ..आज तुम्हें फोन किया वह.., 'रामचन्दर जी का गला रुंध गया।

'हाँ ..पापा बताइये ..क्या हुआ ..सब ठीक तो है, 'मालिनी घबराहट में प्रश्न पर प्रश्न पूछ रही थी ।

'बेटा ..मेरा इस उम्र में विवाह करना तुम लोगों को नागवार गुज़रा ..लेकिन क्या करता.. तुम्हारी माँ के जाने के बाद ..बेहद अकेला ..असहाय पड़ गया था

..घर खाने को दौड़ता था ..न खाने का ठिकाना ..न जिंदगी का..तभी सरोज मिलीं ..वह भी अकेली थीं ..उनके बच्चे उन्हें यहाँ अकेले छोड़ विदेशों में बस गये थे ..बस हमें ऐसा लगा कि हम लोग एक दूसरे के अकेलेपन के साथी बन सकते हैं ..बेटा.. तुम अभी नही समझोगी ..,' कहते कहते रामचन्दर जी लगभग रो से पड़े।

'पापा हमें बहुत घबराहट हो रही है ..क्या हुआ बताएं,' मालिनी बोली।

'बेटा.. सरोज को दिल का दौरा पड़ा है ..हमने किसी तरह अस्पताल में भर्ती करा दिया है ..पर यदि उसको कुछ हो गया तो अब..मैं भी.. ,'कहकर फफक कर रो पड़े रामचन्दर जी।

'अरे!पापा परेशान न हों सब ठीक हो जाएगा.. हम बच्चे हैं आप के साथ ..हम आ रहे हैं, 'मालिनी ने दृढ़ता से कहा।

रामचन्दर जी को लगा उनके बूढ़े काँपते पैरों में शक्ति आ गयी हो । वह डॉक्टर साहब को आते देख खड़े हो गये ।

'डॉक्टर साहब ..मेरी पत्नी ठीक तो हो जाएँगी, ' काँपते स्वर में बोले ।

'चिंता न करें.. बाबू जी ..आँटी जी.. अब खतरे से बाहर हैं, ' डॉक्टर साहब कहते हुए आगे बढ़ गये।

चिकित्सा विज्ञान में आधुनिक आविष्कार

क्या पाषाण युग में रहने वाले लोग दूरी तक मार करने वाली मिसाइल, अत्याधुनिक संचार प्रणाली, चिकित्सा विज्ञान में आधुनिक आविष्कार कर सकते हैं या इन सबसे बढ़कर परमाणु हथियार बना सकते हैं। यह सवाल इसलिए क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को नयी धमकी देते हुए कहा है कि अगले दो से तीन हफ्तों में, हम उन्हें पाषाण युग में वापस भेज देंगे, जहां वे वास्तव में हैं। पाठक जानते हैं कि ट्रंप इससे पहले ईरान के लोगों को बेहद खतरनाक बताते हुए ईरान जैसे देश को पूरी तरह नेस्तनाबूद करने की बात भी कह चुके हैं। ईरान के पास परमाणु हथियार है और इसकी वजह से अमेरिका समेत पूरी दुनिया पर बड़ा खतरा है, इसी बहाने के साथ इजरायल और अमेरिका ने 28 फरवरी 2026 को ईरान पर हमला बोला था और उसके सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या कर दी थी। जब इंसान सभ्यता की सीढ़ियों पर चढ़ने की कोशिश कर रहा था, उस समय के कबीलाई जीवन में इसी तरह का व्यवहार दो कबीलों में किया जाता था। अपना वर्चस्व कायम करने के लिए दूसरे कबीले के नेता को मार दो और फिर उसके लोगों से कहो कि हमारा आधिपत्य स्वीकार कर लो। उससे भी पहले जो पाषाण युग हुआ था, जिसका जिक्र ट्रंप इस सदी में कर रहे हैं, उस युग में पत्थर से हथियार बनाने का हुनर इंसान ने सीख लिया था, जिसके बूते अब वो जंगली जानवरों से खुद को बेहतर बताने लगा था। जानवरों के पास उनके पंजे और नाखून ही हुआ करते थे, इंसान के पास पंजे, नाखून के साथ अब औजार भी थे। उनके बीच फर्क केवल इन्हीं औजारों का ही था। बाकी प्रवृत्ति दोनों की एक जैसी ही थी कि अपना अस्तित्व बचाने के लिए दूसरे को मार डालो। लड़ाई के नियम–कायदे नहीं होते थे, ताकत और ही मायने रखती थी। कोई कमजोर है, निहत्था है, लड़ाई के लिए तैयार है या नहीं, लड़ाई की जरूरत है या नहीं, ऐसे सवालों में उलझे बिना केवल अपने फायदे के लिए हमले होते थे। इस लिहाज से देखें तो आज ईरान नहीं अमेरिका पाषाण युग का प्रतिनिधित्व करता हुआ दिख रहा है और डोनाल्ड ट्रंप इस कबीले के मुखिया के तौर पर जहां मर्जी वहां हमला कर रहे हैं। ईरान के साथ युद्ध पांचवे हफ्ते में प्रवेश कर चुका है, और अब तक डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू को सफलता नहीं मिली है। ऐसे में ट्रंप ने जब राष्ट्र के नाम संबोधन का ऐलान किया तो सभी को लगा कि शायद युद्ध खत्म करने की बात कही जाएगी, इस वजह से शेयर बाजार भी चढ़ गया। लेकिन ट्रंप के भाषण में अब तक सोशल मीडिया और मीडिया में कही गई बातों का दोहराव ही था। यह बिल्कुल साफ हो गया कि ईरान युद्ध को लेकर अमेरिका के पास कोई रणनीति नहीं है और वह पूरी तरह से इजरायल लॉबी की गिरफ्त में है। इस युद्ध के कारण दुनिया में पहले ही काफी तबाही हो चुकी है और अब नजर आ रहा है कि युद्ध लंबा खिंचेगा और भारत समेत दुनिया के अधिकतर देशों के लिए आर्थिक चुनौतियां गंभीर होती जायेंगी। ऐसे में मोदी सरकार को अब वाकई संकट से निपटने के लिए कमर कस लेना चाहिए। अपने भाषण में ईरान को बर्बाद करने का दावा करते हुए ट्रंप ने कहा कि उसकी नौसेना श्नष्टश हो गई है और उसकी वायुसेना खंडहर हो गई है। उनके अधिकांश नेता अब मर चुके हैं। मिसाइल और ड्रोन लॉन्च करने की उनकी क्षमता में भारी कमी आई है, और उनके हथियार, कारखाने और रॉकेट लॉन्चर टुकड़े–टुकड़े हो रहे हैं। जब यह सब कहा जा रहा था, उस समय ईरान ने इजरायल पर कई मिसाइलें दागीं। ईरानी सेना के प्रवक्ता ने कहा है कि अभी अमेरिका हमारे बारे में पूरी तरह जानता नहीं है। वैसे ट्रंप ने अपने बड़बोलेपन में पूर्व राष्ट्रपतियों का मजाक भी उड़ाया। उन्होंने कहा कि प्रथम विश्व युद्ध में अमेरिकी भागीदारी एक वर्ष, सात महीने और पांच दिन तक चली। द्वितीय विश्व युद्ध तीन वर्ष, आठ महीने और 25 दिन तक चला। कोरियाई युद्ध तीन वर्ष, एक महीने और दो दिन तक चला। वियतनाम युद्ध 19 वर्ष, पांच महीने और 29 दिन तक चला। इराक युद्ध आठ वर्ष, आठ महीने और 28 दिन तक चला। हम इस सैन्य अभियान में 32 दिनों से हैं। और ईरान पूरी तरह से तबाह हो चुका है और वास्तव में अब कोई खतरा नहीं है। यानी पहले के अमेरिकी नेतृत्व ने लंबे युद्धों में हिस्सा लिया, जबकि ट्रंप केवल 32 दिनों की लड़ाई लड़ रहे हैं, हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि युद्ध अगले श्दो से तीन सप्ताहश तक चलेगा। यदि कोई समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका ईरानी बिजली प्लांट पर हमला करेगा। शायद ट्रंप अब तक समझे नहीं कि ईरान ऐसी धमकियों से पीछे हटने वाला नहीं है। ट्रंप के संबोधन से पहले ही ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने अमेरिकी जनता को संबोधित एक खुला पत्र लिखकर उनसे अपील की है कि वे गढ़ी हुई कहानियों से परे देखें और यह सवाल करें कि मौजूदा युद्ध वास्तव में किसके हितों की सेवा कर रहा है।

सीमा वर्णिका, कानपुर

कुब्रा सैत

मेन करैक्टर हूं मैं, कोनों में बैठने के लिए नहीं बनी, सेंटर रूम के लिए बनी हूं

बॉलीवुड्ड एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने इंटरव्यू दिया और अपनी वेब सीरीज श्संकल्पश के बारे में बात की। बताया कि उनका करियर कैसे शुरू हुआ और सेट पर उन्हें कैसा महसूस होता है। श्सेक्रेड गेम्सश की कुकू हो या श्द ट्रायलश की सना शेख, एक्ट्रेस कुब्रा सैत को जब भी दमदार किरदार मिले, उन्होंने उसे निचोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इन स्ट्रॉन्ग, कॉम्प्लेक्स लड़कियों में उन्होंने बिंदासियत और संवेदनशीलता का मिला–जुला रंग भरकर यादगार बना दिया। अब अपनी नई सीरीज श्संकल्पश में भी वह डीएसपी परवीन शेख की सशक्त भूमिका में हैं। क्या ऐसे किरदारों से वह ज्यादा जुड़ाव महसूस करती हैं? इस पर कुब्रा का कहना है, श्मैं खुशनसीब हूं कि मुझे ये किरदार निभाने को मिले। उनमें जो कॉम्प्लेक्सिटी है, उसे निभाना सौभाग्य की बात है। मैं इनसे सीख पाती हूं कि सिर्फ ताकतवर होना ही मजबूती नहीं है। असुरक्षित, टूटा होकर खड़ा होना भी ताकत है। मुझे लगता है कि ये जितने भी किरदार मैंने निभाए हैं, उनमें कुछ न कुछ मेरा होगा क्योंकि ये सारे रंग हम सबमें हैं। वो चाहे बिंदासियत हो, ताकत या असुरक्षित महसूस करना, इन किरदारों के जरिए मुझे अपने बारे में भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। अच्छी बात ये है कि ऑडियंस इनसे रिलेट कर पा रही है, पसंद कर रही है तो हम कुछ तो सही कर रहे है। यही चीज मुझे प्रेरित करती है। । मुझे लगता है कि ये जितने भी किरदार मैंने निभाए हैं, उनमें कुछ न कुछ मेरा होगा क्योंकि ये सारे रंग हम सबमें हैं। वो चाहे बिंदासियत हो, ताकत या असुरक्षित महसूस करना, इन किरदारों के जरिए मुझे अपने बारे में भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। खुद को साबित करने की आग थी कुब्रा ने निजी जिंदगी में भी कम बिंदास फैसले नहीं लिए। फिर राजनीतिक परिवार में जन्म के बावजूद बॉलिवुड की राह चुनना हो या माइक्रोसॉफ्ट की नौकरी छोड़कर एक्टिंग में आना। इस बिंदास एटीट्यूट के बाबत वह बताती हैं, श्जब मैं मुंबई आई थी तो मुझे सिर्फ खुद को प्रूव करना था कि क्योंकि मेरी फैमिली का एक्टिंग से कोई लेना देना नहीं है। मैं माइक्रोसॉफ्ट की नौकरी छोड़कर आई थी तो मेरे पास फेल होने का ऑप्शन ही नहीं था। मुझे यहां पर अपना नाम, काम, मुकाम खुद बनाना था क्योंकि मुझे भरोसा था कि मैं माइक्रोसॉफ्ट में ना काम करूं तो भी सफल रहूंगी और अपने दम पर सफल रहूंगी। इसलिए, मैंने इस पूरे सफर को कभी भी मुश्किल है, कठिन है, ऐसे देखा ही नहीं क्योंकि दुनिया में आसान कुछ नहीं होता। बाकी, शुरू में डर हर चीज में लगता है, पर उसे पार करके ही आप जीत की उम्मीद कर सकते हैं। जैसे मुझमें कुछ हासिल करने की इतनी अंगार थी तो मुझे तय करना था कि मै डर के पीछे छिपी रहूंगी या आग में कूदूंगी और मुझे आग में कूदना था, तो हां, ये बिंदासगिरी हमेशा से थी। मैंने खुद को फेल होने का ऑप्शन ही नहीं दिया। मेरी सोच हमेशा ये थी कि ऐसी कौन सी चीज है जो हम कर नहीं सकते।श मैं माइक्रोसॉफ्ट की नौकरी छोड़कर आई थी तो मेरे पास फेल होने का ऑप्शन ही नहीं था। मुझे यहां पर अपना नाम, काम, मुकाम खुद बनाना था क्योंकि मुझे भरोसा था कि मैं माइक्रोसॉफ्ट में ना काम करूं तो भी सफल रहूंगी और अपने दम पर सफल रहूंगी। मैं कोनों में कभी नहीं बैठी कुब्रा की पहली ही फिल्म रेडी सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ थी। उनके साथ काम करते वक्त कोई डर या इंटीमिडेशन था, यह पूछने पर वह कहती हैं, श्नहीं यार, मैं बहुत कॉन्फिडेंट थी तो मैं सबके साथ बैठकर बातें करती थी। मुझे सबके बारे में जानना था। मैं सलमान खान सर के साथ भी बैठती थी। उनसे पूछती थी कि ये कैसे हुआ, वो कैसे हुआ, तो वे भी बातें करते थे। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि नई हूं तो कोने में बैठना जरूरी है। मैं कोनों के लिए शायद बनी ही नहीं हूं। मैं सेंटर रूम के लिए बनी हूं। मेरा मानना है कि इस इंडस्ट्री में खुद पर भरोसा करना सबसे जरूरी है। अगर आप खुद पर ही विश्वास नहीं करोगे तो कोई आप पर विश्वास क्यों करेगा। अगर आप खुद पर विश्वास रखें तो आपके लिए द एंड कभी होगा ही नहीं।श मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि नई हूं तो कोने में बैठना जरूरी है। मैं कोनों के लिए शायद बनी ही नहीं हूं। मैं सेंटर रूम के लिए बनी हूं। मेरा मानना है कि इस इंडस्ट्री में खुद पर भरोसा करना सबसे जरूरी है। जिंदगी में अनुभव के लिए श्हांश बोलना जरूरी सेक्रेड गेम्स में ट्रांसजेंडर कुकू की भूमिका के लिए हां करते वक्त क्या कुब्रा को कोई हिचक थी? इस बारे में वह तपाक से कहती हैं, श्बिल्कुल भी नहीं क्योंकि जब अनुराग कश्यप मुझे बोल रहे हैं कि ये किरदार तुम बस करो तो करना चाहिए ना। फिर, ऐसा तो था नहीं कि मेरे पास बहुत सारा काम था। ऐसे में, मैं इसे ना कह देती तो मुझसे बड़ा बेवकूफ और कोई होता। हालांकि, आज भी मैं खुद को प्रूव ही कर रही हूं लेकिन मैंने कभी ये नहीं कहा कि यह रोल छोटा है, वो बड़ा है। मेरा अप्रोच ये रहता है कि जो काम आए उसे सच्चे दिल से करो। आगे बड़े रोल भी आएंगे, वो भी करेंगे। हर चीज का वक्त होता है। हम कभी सोच भी नहीं सकते थे कि कुकू जैसा कैरेक्टर 10 साल बाद भी लोगों की जुबान पर रहेगा। लोग मुझे आज कुकू बोलते हैं। मेरे लिए तो यह बहुत बड़ी बात है और उस वक्त सिर्फ हां या ना में फासला था। मेरी सोच यह है कि आपको जिंदगी का अनुभव करना है तो आपको हां बोलना पड़ेगा। ना बोलकर आप अपनी जिंदगी से एक अनुभव घटा रहे हैं।श हम कभी सोच भी नहीं सकते थे कि कुकू जैसा कैरेक्टर 10 साल बाद भी लोगों की जुबान पर रहेगा। लोग मुझे आज कुकू बोलते हैं। मेरे लिए तो यह बहुत बड़ी बात है और उस वक्त सिर्फ हां या ना में फासला था। जिंदगी को भी श्गेमश जैसे खेलती हूं टैलंट के बावजूद 15 साल लंबे करियर में कुब्रा मेन लीड में ना के बराबर ही दिखी हैं। क्या इस बात का कभी मलाल होता है? इस सवाल पर उन्होंने कहा, श्नहीं यार, ये सब सोचूंगी तो जो काम हो रहा है वो भी बंद हो जाएगा। मुझे बहुत कुछ क्रिएट करना है। अपना बहुत कुछ करना है। मैं इन बातों में फंसी तो आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा। इससे बेहतर जो काम है या जो काम मैं करना चाहती हूं, उस पर फोकस करूं।

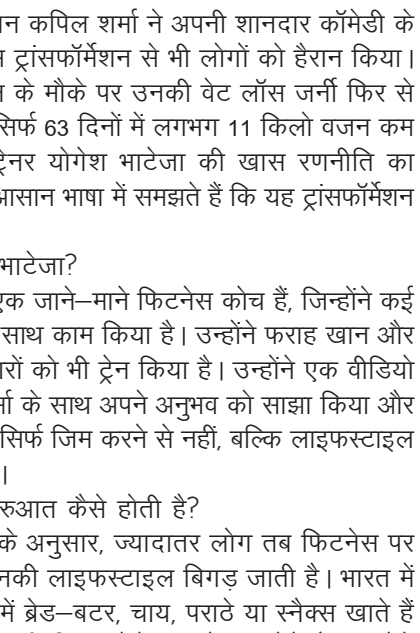

कपिल शर्मा ने 63 दिनों में 11 किलो वजन ऐसे किया कम, ट्रेनर बताई उनकी वेट लॉस जर्नी

मशहूर कॉमेडियन कपिल शर्मा ने अपनी शानदार कॉमेडी के साथ–साथ फिटनेस ट्रांसफॉर्मेशन से भी लोगों को हैरान किया। अपने 45वें जन्मदिन के मौके पर उनकी वेट लॉस जर्नी फिर से चर्चा में है। उन्होंने सिर्फ 63 दिनों में लगभग 11 किलो वजन कम किया, जो उनके ट्रेनर योगेश भाटेजा की खास रणनीति का नतीजा था। आइए आसान भाषा में समझते हैं कि यह ट्रांसफॉर्मेशन कैसे हुआ।

कौन हैं योगेश भाटेजा?

योगेश भाटेजा एक जाने–माने फिटनेस कोच हैं, जिन्होंने कई बॉलीवुड सेलेब्स के साथ काम किया है। उन्होंने फराह खान और सोनू सूद जैसे सितारों को भी ट्रेन किया है। उन्होंने एक वीडियो के जरिए कपिल शर्मा के साथ अपने अनुभव को साझा किया और बताया कि फिटनेस सिर्फ जिम करने से नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल बदलने से आती है।

फिटनेस की शुरुआत कैसे होती है?

योगेश भाटेजा के अनुसार, ज्यादातर लोग तब फिटनेस पर ध्यान देते हैं जब उनकी लाइफस्टाइल बिगड़ जाती है। भारत में अक्सर लोग नाश्ते में ब्रेड–बटर, चाय, पराठे या स्नैक्स खाते हैं और बाहर का खाना भी बिना सोचे–समझे खा लेते हैं। उन्होंने बताया कि असली बदलाव तब शुरू होता है जब इंसान यह समझने लगता है कि वह क्या खा रहा है और कैसे जी रहा है। खाने–पीने, पानी पीने, सांस लेने और रोजमर्रा की आदतों पर ध यान देने से धीरे–धीरे शरीर में बदलाव आने लगता है।

फिटनेस में मानसिक तैयारी क्यों जरूरी है?

ट्रेनर का मानना है कि फिटनेस सिर्फ शरीर से नहीं, बल्कि दिमाग और इमोशन से शुरू होती है। अगर आप मानसिक रूप से तैयार नहीं हैं, तो कोई भी डाइट या वर्कआउट लंबे समय तक काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि कपिल शर्मा के साथ भी उन्होंने पहले उनकी मेंटल और इमोशनल तैयारी पर काम किया, ताकि वे बिना दबाव के इस जर्नी को पूरा कर सकें।

कपिल शर्मा की वेट लॉस जर्नी

कपिल शर्मा ने अपने वेट लॉस की शुरुआत धीरे–धीरे की। उन्हें शुरुआत में कठिन एक्सरसाइज नहीं करवाई गई, बल्कि स्ट्रेचिंग और हल्के मूवमेंट से शुरुआत की गई। भाटेजा के अनुसार, कई लोग शुरुआत में ही ज्यादा वर्कआउट करने लगते हैं, जिससे वे जल्दी थक जाते हैं और जर्नी बीच में ही छोड़ देते हैं। इसलिए कपिल के साथ आसान और टिकाऊ तरीका अपनाया गया।

21–21–21 रूल क्या है? (63 दिनों का प्लान)

कपिल शर्मा के वेट लॉस के लिए 63 दिनों का एक खास प्लान बनाया गया, जिसे 21–21–21 रूल कहा गया। इसमें हर 21 दिन एक नई आदत पर फोकस किया गया।

पहले 21 दिनः बॉडी मूवमेंट

इस स्टेप में सिर्फ शरीर को एक्टिव करने पर ध्यान दिया गया। कपिल ने रोजाना हल्की एक्सरसाइज, स्ट्रेचिंग और स्कूल के समय वाली च्ज जैसी एक्टिविटी की। इस दौरान उन्हें सख्त डाइट फॉलो करने के लिए नहीं कहा गया। उद्देश्य था शरीर को धीरे–धीरे मूवमेंट की आदत डालना, ताकि आगे की स्टेज आसान हो सके।

अगले 21 दिनः डाइट में बदलाव

दूसरे चरण में खाने की आदतों को सुधारा गया। इसमें ज्यादा सख्ती नहीं रखी गई, बल्कि धीरे–धीरे हेल्दी बदलाव किए गए। उन्हें सिर्फ यह समझने के लिए कहा गया कि क्या खाना सही है और क्या नहीं। बिना ज्यादा कैलोरी गिनने के, उन्होंने अपनी डाइट को संतुलित करना शुरू किया।

आखिरी 21 दिनः खराब आदतों पर कंट्रोल

तीसरे चरण में स्मोकिंग, शराब, ज्यादा कैफीन और ओवरईटिंग जैसी आदतों को कम करने पर ध्यान दिया गया। इस स्टेज तक पहुंचते–पहुंचते शरीर और दिमाग दोनों इस बदलाव के लिए तैयार हो चुके थे, इसलिए इन आदतों को छोड़ना आसान हो गया।

कब दिखने लगा असर?

योगेश भाटेजा के अनुसार, लगभग 42 दिनों के बाद शरीर में बदलाव दिखने लगता है। यही बदलाव इंसान को आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट करता है। 63 दिनों के अंत तक कपिल शर्मा ने लगभग 11 किलो वजन कम कर लिया और उनका पूरा लुक बदल गया। कपिल शर्मा का वेट लॉस इस बात का उदाहरण है कि फिटनेस के लिए सिर्फ कठिन डाइट या भारी वर्कआउट जरूरी नहीं है। सही प्लान, धीरे–धीरे बदलाव और मजबूत मानसिकता से बड़े रिजल्ट हासिल किए जा सकते हैं। अगर आप भी वजन कम करना चाहते हैं, तो छोटे–छोटे बदलाव से शुरुआत करें और अपने लाइफस्टाइल को बेहतर बनाएं। यही तरीका लंबे समय तक असरदार रहता है।

जेम्स कैमरून की साइंस फिक्शन फिल्म श्अवतारः फायर एंड ऐशश यानी अवतार 3 सिनेमाघरों में तीन महीने पूरे करने के बाद अब व्ज्ज पर रिलीज की जाएगी। बीते साल 19 दिसंबर 2025 को रिलीज हुई इस फिल्म ने दुनियाभर में घ13,070 करोड़ का रिकॉर्ड कलेक्शन किया था। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक श्अवतार 3श का प्रीमियर 31 मार्च 2026 से विदेशी दर्शकों के लिए श्क्पेदमलश पर होगा। हालांकि, विदेशी दर्शकों को शुरुआत के एक महीने इसे देखने के लिए रेंट (किराया) देना होगा। भारत की बात करें तो यहां यह फिल्म श्जियो हॉटस्टार श पर स्ट्रीम की जाएगी। उम्मीद जताई जा रही है कि अप्रैल के पहले हफ्ते से जून 2026 के बीच भारतीय फैंस इसे अपने मोबाइल या टीवी पर घर बैठे देख पाएंगे। घ3,400 करोड़ के बजट में बनी है अवतार 3 अवतार 3श का कुल बजट करीब 400 मिलियन डॉलर (घ3,400 करोड़) था। बॉक्स ऑफिस पर इसने +1.49 बिलियन की कमाई की। भारत में भी फिल्म का क्रेज दिखा और इसने घ235 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया। फिल्म की बेहतरीन मेकिंग के लिए इसे 98वें एकेडमी अवॉर्ड्स (ब्बंते 2026) में श्बेस्ट विजुअल इफेक्ट्सश का अवॉर्ड भी मिला है। जेम्स कैमरून की यह फ्रेंचाइज दुनिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली सीरीज है। 2031 तक आएंगी दो और फिल्में जेम्स कैमरून ने पेंडोरा की इस दुनिया को और आगे ले जाने की तैयारी कर ली है। श्अवतार 3श के बाद अब फैंस को श्अवतार 4श और श्अवतार 5श का इंतजार है।

रोहित सराफ को लेकर कहा जा रहा है कि वो लापता लेडीज फेम प्रतिभा रांटा को गुपचुप तरीके से पिछले एक साल से डेट कर रहे हैं. दोनों की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है. रोहित सराफ और प्रतिभा रांटा को पिछले साल निखिल आडवाणी की दीवाली पार्टी में एक साथ देखा गया था, तभी से दोनों के अफेयर की खबरें सुर्खियों में छा गई थी. इतना ही नहीं रोहित और प्रतिभा को दिवाली पार्टी में एक जैसे कपड़े पहने हुए देखा गया था. फिल्मफेयर की रिपोर्ट के अनुसार रोहित सराफ इन दिनों लापता लेडीज फेम प्रतिभा रांटा को डेट कर रहे हैं. रोहित सराफ और प्रतिभा रांटा को जल्द ही द रिवोल्यूशनरीज वेब शो में देखा जाएगा. रिपोर्ट के अनुसार इसी शो की शूटिंग के दौरान कपल की मुलाकात हुई थी और दोनों की नजदीकियां बढ़ थीं. रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया जा रहा है कि रोहित सराफ और प्रतिभा रांटा अभी अपने रिश्ते को कोई नाम नहीं देना चाहते हैं. रोहित और प्रतिभा फिलहाल एक–दूसरे की कंपनी को एंजॉय कर रहे हैं.

छोटा सा आशियाना भी दिखेगा खूबसूरत अगर इस तरह से की घर की डेकोरेशन

घर चाहे छोटा हो या बड़ा हर कोई इसे अपने अनुसार ही सजाना पसंद करता है। कोई अलग–अलग शोपीस से तो कुछ लोग डेकोरेटिव आइटम्स के साथ अपना घर को एक नया लुक देते हैं। लेकिन घर अगर छोटा हो तो अक्सर घर की महिलाएं उसकी डेकोरेशन करते समय कंफ्यूज हो जाती हैं। ऐसे में आज

आपको कुछ ऐसे डेकोरेशन आइडियाज बताते हैं जिनके जरिए आप अपने छोटे घर को भी बड़ा दिखा सकते हैं। तो आइए जानते हैं इनके बारे में...

छोटे घर में ज्यादा फर्नीचर रखने की जगह आप कलरफुल चेयर्स रखकर अपने घर की सुंदरता पर चार–चांद लगा सकते हैं।

घर को खुला रखने के लिए कलर्ड पर्दों का इस्तेमाल करें। गहरे रंग के पर्दों के साथ आप अपना आशियाना सजा सकते हैं।

घर में फर्नीचर कम रखें और इसे साफ रखें इससे भी आपका आशियाना बेहद खूबसूरत नजर आएगा।

अलग–अलग कॉर्नर्स पर आप इस तरह के फ्लावर वेस रखकर भी अपने छोटे से घर की सुंदरता बढ़ा सकते हैं।

डेकोरेटिव वॉल आइटम्स आप घर की दीवारों पर लगा सकते हैं।

यूनिक और अच्छे डेकोर बल्ब के जरिए आप अपने छोटे से आशियाने को रोशन कर सकते हैं। ब्राइट लाइट्स के साथ घर रोशन और बड़ा दिखेगा।

डिजाइनर मिरर के जरिए भी आप अपने घर की शोभा बढ़ा सकते हैं। मिरर को ऐसी जगह पर लगाएं यहां से धूप और रोशनी घर की अलग–अलग दिशाओं में जा सके।

आपके महिला दोस्तों से बात करते ही कलेश करने लगती है गर्लफ्रेंड? इन तरकीबों से करें उसे हैंडल

बहुत से लोगों के रिश्ते में प्यार तो ढेर सारा होता है, लेकिन भरोसा उसका आधा भी नहीं होता है। रिश्तों की नीव विश्वास पर टिकी होती है। मगर कुछ लोग चाहकर भी अपने पार्टनर पर चाहकर भी विश्वास नहीं कर पाते हैं। ऐसा रिश्ते में रह रहे हर दूसरे व्यक्ति के साथ कभी न कभी हो ही जाता है। आमतौर पर पुरुषों को रिश्ते में ज्यादा इनसिक्योर व्यक्ति के तौर पर दिखाया जाता है। हालाँकि, ऐसा बिलकुल भी नहीं है। महिलाएं भी पुरुषों के ही जितनी इनसिक्योर होती हैं।

एक पुरुष के प्यार में पड़ी महिला उसे किसी अन्य व्यक्ति के साथ शेयर करना पसंद नहीं करती है। बहुत सी लड़कियों को उनके बॉयफ्रेंड का अन्य महिलाओं के साथ बात करना भी बिलकुल पसंद नहीं होता है। अगर बॉयफ्रेंड गलती से ऐसा कर दे तो रिश्ते में कलेश हो जाता है। गर्लफ्रेंड के इतना इनसिक्योर होने की कई वजह हो सकती हैं, जिसमें खुद पर और रिश्ते पर विश्वास की कमी एक बड़ी वजह है। अब गर्लफ्रेंड भले ही इनसिक्योर हो, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि उसे छोड़ना अच्छा ऑप्शन है। चलिए हम आपको बताते हैं कि कैसे आप एक इनसिक्योर गर्लफ्रेंड को संभाल सकते हैं।

गर्लफ्रेंड को दोस्तों से मिलवाएं– बहुत से लोग अपने दोस्तों से अपनी गर्लफ्रेंड को नहीं मिलवाते हैं, जो एक बहुत ही बड़ी गलती है। लोगों की यह आम सी गलती गर्लफ्रेंड को इनसिक्योर बना देती है। इसलिए बेहतर यही होगा कि आप अपनी गर्लफ्रेंड को अपने दोस्तों से मिलाएं। ऐसा करना आपकी गर्लफ्रेंड की इनसिक्योरटी को दूर करेगा।

गर्लफ्रेंड के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं– अगर आपकी गर्लफ्रेंड इनसिक्योर होती जा रही है तो इसके पीछे आपका उनके साथ समय नहीं बिताना कारण हो सकता है। महिलाएं अपना ज्यादातर समय अपने पार्टनर के साथ बिताना चाहती हैं और आप उनका समय किसी और महिला को देंगे तो वह इनसिक्योर होंगी ही। इसलिए उन्हें ज्यादा से ज्यादा समय देने की कोशिश करें।

रिवर राफ्टिंग के समय भूलकर भी न करें ये गलतियां, वरना पड़ सकता है पछताना

हर व्यक्ति का स्वभाव अलग–अलग होता है। जब घूमने के उद्देश्य से कोई व्यक्ति निकलता है तो कुछ लोग हसीन वादियों को देखना पसंद करते हैं। तो वहीं कुछ लोगों की पहली पसंद एडवेंचर होती है। ऐसे लोग हमेशा कुछ न कुछ एडवेंचर करना पसंद करते हैं। वहीं अपने दोस्तों के साथ किसी हिल स्टेशन पर ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग, रॉक क्लाइंबिंग आदि एडवेंचर करने का एक्सपीरियंस ही अलग होता है। इसके साथ ही ग्रुप के साथ रिवर राफ्टिंग करना भी अलग तरह की मस्ती होती है।

हालांकि पहली बार रिवर राफ्टिंग के दौरान अक्सर हमारे मन में डर बैठा होता है। कई चीजें दिमाग में चलने और जर होने के कारण कई बार गलतियां भी कर बैठते हैं। ऐसे में अगर आप भी अपने दोस्तों के साथ रिवर राफ्टिंग का प्लान बना रहे हैं तो आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको रिवर राफ्टिंग के दौरान ध्यान रखने वाली कुछ खास बातों के बारे में बताने जा रहे हैं।

अधिक उत्साह

अक्सर जब लोग अपने दोस्तों के साथ पहली बार रिवर राफ्टिंग के लिए जाते हैं तो वह अधिक उत्साहित हो जाते हैं। अधिक उत्साहित होने के कारण वह गाइड द्वारा बताए गए नियमों को नजर अंदाज कर देते है। ऐसे में अगर आप भी अपने दोस्तों के साथ रिवर राफ्टिंग के लिए जा रहे हैं तो गाइड द्वारा बताई गई बातों को ध्यान से सुनिए। गाइड राफ्टिंग शुरू करने से पहले आपको सेफ्टी से जुड़ी कई बातें बतातें हैं। ऐसे में खतरे की स्थिति बनने पर आप गाइड द्वारा बताए गए टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

लाइफ जैकेट और हेलमेट

एडवेंचर एक्टिविटीज करने के दौरान कुछ लोग लाइफ जैकेट और हेलमेट पहनना जरूरी नहीं समझते हैं। लेकिन आप यह गलती न करें। क्योंकि इससे मुसीबत बढ़ सकती है। कई बार पानी की तेज लहरों का सामना करने के लिए लाइफ जैकेट और हेलमेट सहारा बनता है। ऐसे में रिवर राफ्टिंग के दौरान लाइफ जैकेट और हेलमेट पहनना न भूलें।

तैरना आता हो

अगर आपको पानी में जाने से डर नहीं लगता या आपको अच्छे से तैरना आता हो, तभी आपको रिवर राफ्टिंग करनी चाहिए। क्योंकि कई बार लोग जोश–जोश में रिवर राफ्टिंग के लिए पानी के अंदर उतर तो आराम से जाते हैं। लेकिन इसके बाद वह पैनिक होने लगते हैं। इसलिए आपको भी ऐसी गलती करने से बचना चाहिए।

राफ्टिंग बोट से खुद को बांधना न भूलें

आपको बता दें कि राफ्टिंग बोट के किनारे–किनारे से रस्सी बंधी होती है। राफ्टिंग के दौरान जो लाइफ जैकेट आप पहने होते हैं। उसमें मौजूद हुक को राफ्टिंग बोट में मौजूद रस्सी से बांध दिया जाता है। जिससे की पानी की तेज लहर आने पर आप बोट से नीचे न गिरें। इसलिए सेफ्टी को ध्यान में रखते हुए इन टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए।

ये टिप्स भी करें फॉलो

राफ्टिंग करते समय पौडल को सही दिशा में चलाना चाहिए।

राफ्टिंग के दौरान गाइड द्वारा बताए गए हर सुझाव को ध्यान से सुनें।

राफ्टिंग के दौरान सनस्क्रीन, सनग्लास और कंफर्टेबल फुटवियर का इस्तेमाल करें।

शाम के समय की ये गलतियां तो मां लक्ष्मी हो जाएंगी नाराज

कई लोग वास्तु शास्त्र में बहुत ही विश्वास करते हैं कोई भी काम करने से पहले इसमें दिए गए नियमों का पालन करते हैं। इस शास्त्र में घर के निर्माण से लेकर रखी हुई चीजों की एक नियमित जगह बताई गई है इनका पालन न करने से जीवन में तो बुरा असर पड़ता ही है। साथ में व्यक्ति को पैसे से संबंधित समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है। खासतौर पर शाम के समय कुछ गलतियां करना अशुभ माना जाता है। इससे घर में पैसे की तंगी हो सकती है। तो चलिए जानते हैं ऐसे कौन से काम है जो शाम को नहीं करने चाहिए...

न दें पैसा उधार

शाम के समय कभी भी पैसा न लेना चाहिए न ही देना चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, सूर्यास्त के बाद पैसा देने से कभी भी वापस नहीं मिलता । इसके अलावा इस दौरान लिए हुए कर्ज का भार भी कभी नहीं उतरता।

झाड़ू

शाम के समय झाड़ू लगाना भी अशुभ माना जाता है। इस समय झाड़ू लगाने से मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं और घर के सदस्यों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होती है। वहीं यदि किसी कारण झाड़ू लगाना जरुरी है तो सारा कचरा एक जगह इकट्ठा कर दें। अगले दिन सूर्यास्त के बाद ही कचरे को घर से बाहर निकालें।

लड़ाई झगड़ा

शाम के समय कभी भी लड़ाई–झगड़ा नहीं करना चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, इससे मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं और घर में कंगाली का वास हो सकता है। इसके अलावा यदि शाम को आपके घर कोई गरीब व्यक्ति आता है तो उसे खाली हाथ न जाने दें।

बंद न करें मुख्य द्वार

इस समय घर का मेन गेट कभी भी बंद नहीं करना चाहिए। माना जाता है कि सूर्यास्त के बाद मां लक्ष्मी घर में प्रवेश करती हैं ऐसे में यदि शाम के समय मुख्य द्वार बंद होगा तो मां लक्ष्मी घर में नहीं आ पाएंगी जिसके परिणामस्वरुप घर में कंगाली आ सकती है।

न तोड़ें तुलसी के पत्ते

शाम के समय तुलसी के पत्ते तोड़ना भी अशुभ माना जाता है। इससे भगवान विष्णु नाराज हो सकते हैं और घर में पैसे से जुड़ी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है। शाम के समय इसके पास दीपक जरुर जलाएं इससे घर की नेगेटिव एनर्जी भी दूर होती है।

इन दो सब्जियों का जूस यूरिक एसिड को मिनटों में करेगा खत्म, गंभीर बीमारियों से भी मिलेगी राहत

अगर आपके शरीर, उंगलियों, जोड़ों, पंजो और पीठ के निचले हिस्से में गंभीर दर्द रहता है। यह लक्षण यूरिक एसिड लेवल के बढ़े होने का संकेत हो सकता है। मांसपेशियों में ऐंठन और जोड़ों में दर्द सिर्फ गठिया के कारण ही नहीं बल्कि यूरिक एसिड के बढ़ने से भी होने लगता है। यूरिक एसिड क्या होता है। बता दें कि जब आपको खानपान खराब हो जाता है, जीवनशैली सुस्त या अधिक तनाव होने पर शरीर में यूरिक एसिड का लेवल बढ़ जाता है।

यूरिक एसिड के नुकसान

यूरिक एसिड का लेवल बढ़ने पर यह किडनियों, लिवर और दिल के कामकाज को बाधित करने लगता है। जिसके कारण शरीर और मांसपेशियों में दर्द की समस्या हो सकती है। खून में बहुत अधिक यूरिक एसिड बढ़ने से कई गंभीर बीमारियों जैसे किडनी की पथरी, हाइपरयुरिसीमिया, गठिया और गाउट आदि का भी खतरा हो सकता है। फैट टू स्लिम की डायरेक्टर और न्यूट्रिशनिस्ट एंड डाइटीशियन शिखा अग्रवाल शर्मा ने यूरिक एसिड लेवल कम करने में मदद करने वाले कुछ खास जूसों के बारे में बताया है। जिसके सेवन से आप यूरिक एसिड के लेवल को कंट्रोल कर सकते हैं।

यूरिक एसिड का लेवल कैसे करें कम

यूरिक एसिड के लेवल को कम करने के लिए कई दवाएं उपलब्ध हैं। लेकिन आप अपने खानपान के तरीके में बदलाव कर यूरिक एसिड को खत्म कर सकते हैं। इसके लिए आपको प्यूरिन से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचना होगा। प्यूरिन से भरपूर खाद्य पदार्थ में लाल मांस, शराब, मछली, बियर, ब्रोकली और केला आदि चीजें शामिल हैं। इसके अलावा आप इन जूसों के सेवन से यूरिक एसिड लेवल को कम कर सकते हैं।

खीरे का रस

खीरे के रस में नींबू मिलाकर सेवन किए जाने से लिवर, किडनी को डिटॉक्स करने में मदद करता है। साथ ही ब्लड फ्लो में यूरिक एसिड का लेवल कम होता है। पोटेशियम और फास्फोरस की मदद से किडनी को डिटॉक्स करता है। साथ ही यह जूस किडनी के कामकाज को सुचारू रूप से चलाने और बॉडी से विषाक्त पदार्त को बाहर निकालता है।

गाजर का रस

ताजा गाजर के रस में नींबू का रस मिलाकर सेवन किए जाने से बढ़े हुए यूरिक एसिड को कम किया जा सकता है। गाजर के जूस में विटामिन ।, एंटीऑक्सीडेंट, फाइबर, बीटा कैरोटीन, मिनरल्स पाया जाता है। जो आपके शरीर में बढ़े हुए यूरिक एसिड से होने वाले नुकसान को कम करता है। वहीं नींबू में टीऑक्सिडेंट, विटामिन सी पाया जाता है। जो इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है।

अदरक की चाय

अदरक की चाय का सेवन किए जाने से भी यूरिक एसिड को कम किया जा सकता है। अदरक में पाए जाने वाले एंटीसेप्टिक, एंटी–इंफ्लेमेटरी और हीलिंग गुणों के कारण यूरिक एसिड कम होता है। इसके साथ ही अदरक में एंटीऑक्सिडेंट और मिनरल्स भी पाया जाता है। जो सूजन, शरीर में दर्द और जोड़ों के दर्द से राहत देता है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी के सेवन से न सिर्फ आपकी इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होती है। बल्कि यह यूरिक एसिड को भी कम करने का काम करती है। ग्रीन टी में पाए जाने वाले एंटीऑक्सिडेंट और बायोएक्टिव यौगिक कुछ ही दिनों में स्वाभाविक रूप से यूरिक एसिड को कम करने में मदद कर सकते हैं।

संक्षिप्त

जंग जल्द खत्म हुआ तो बाजार पर पड़ सकता है सीमित असर पश्चिम एशिया तनाव पर कोटक की रिपोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत के इक्विटी बाजारों को लेकर राहत भरी खबर सामने आई है। कोटक संस्थागत इक्विटी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, यदि मौजूदा संघर्ष अगले कुछ हफ्तों में समाप्त हो जाता है, तो भारतीय बाजारों की कमाई पर इसका असर सीमित रह सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालिया समय में शेयर बाजार में आई गिरावट के बाद निवेशकों के लिए जोखिम और रिटर्न का संतुलन बेहतर हुआ है। यानी मौजूदा स्तर पर निवेश के अवसर पहले की तुलना में अधिक आकर्षक हो सकते हैं। विशेष रूप से अमेरिका की ओर से ईरान–इस्राइल संघर्ष को लेकर दिए गए संकेतों ने तनाव कम होने और ऊर्जा आपूर्ति स्थिर होने की उम्मीद बढ़ाई है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणियों से उम्मीद जगी है कि ईरान–इस्राइल अमेरिका के बीच जारी संघर्ष का अंत हो सकता है और आने वाले महीनों में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति सामान्य हो सकती है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजार की कमाई पर संभावित नुकसान सीमित रहेगा। कोटक ने अपने बेस केस परिदृश्य में माना है कि यह संघर्ष कुछ हफ्तों तक जारी रह सकता है, लेकिन इससे वैश्विक तेल आपूर्ति ढांचे पर कोई दीर्घकालिक असर नहीं पड़ेगा। पेट्रोल में 20प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण को लेकर भारत की नीति किसी भू–राजनीतिक संकट, खासकर पश्चिम एशिया के तनाव, से प्रेरित नहीं है, बल्कि यह ऊर्जा आत्मनिर्भरता के दीर्घकालिक लक्ष्य पर आधारित है। अनाज इथेनॉल निर्माता संघ (जीईएमए) के अध्यक्ष सीके जैन ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि ई20 का युद्ध से कोई लेना–देना नहीं है। इसका एक ही उद्देश्य है ऊर्जा में आत्मनिर्भरता। जब हमारे पास खुद का उत्पादन है, तो हम दूसरों पर निर्भर क्यों रहें? भारत ने 1 अप्रैल से ई20 का पूर्ण रोलआउट शुरू कर दिया है। जैन ने इसे अंतिम लक्ष्य नहीं, बल्कि एक चेकपॉइंट बताया। उनके मुताबिक, इस चरण का मकसद यह देखना था कि क्या निवेशक आगे आते हैं और क्या पर्याप्त कच्चा माल (फीडस्टॉक) उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि अब स्थिति अनुकूल है अतिरिक्त अनाज जैसे फीडस्टॉक की उपलब्धता है और उत्पादन क्षमता भी विकसित हो चुकी है। ऐसे में एथेनॉल मिश्रण को आगे बढ़ाने की पूरी संभावना है। जैन ने संकेत दिया कि 20प्रतिशत अंतिम सीमा नहीं है। उन्होंने कहा कि यह आगे बढ़ने की शुरुआत है। 25–27प्रतिशत तक ब्लेंडिंग बढ़ाने की 100प्रतिशत संभावना है।

भारत के लिए एक और अच्छी खबर, सातवें एलपीजी टैंकर ग्रीन शान्वी ने होर्मुज को सुरक्षित पार किया

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया युद्ध के बीच भारत के लिए राहत की खबर है कि भारतीय एलपीजी टैंकर ग्रीन शान्वी 3 अप्रैल को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजर गया, जिसमें 46,650 टन एलपीजी है। अब तक सात भारतीय एलपीजी टैंकर इस मार्ग से गुजर चुके हैं, जबकि फारस की खाड़ी में 17 भारतीय जहाज मौजूद हैं। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत के लिए एक और राहत भरी खबर है। भारतीय झंडे वाला एलपीजी टैंकर ग्रीन शान्वी 3 अप्रैल 2026 की रात हॉर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित रूप से गुजर गया। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, जहाज में करीब 46,650 मीट्रिक टन एलपीजी कार्गो लदा हुआ था। आने वाले दिनों में दो और भारत–ध्वज वाले एलपीजी टैंकर ग्रीन आशा और जग विक्रम भी हॉर्मुज जलडमरूमध्य पार कर भारत की ओर रवाना होंगे।

गौरतलब है कि पश्चिम एशिया युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक ग्रीन शान्वी समेत कुल सात भारतीय एलपीजी टैंकर इस संवेदनशील जलमार्ग को पार कर चुके हैं। ग्रीन शान्वी के ट्रांजिट के बाद अब फारस की खाड़ी में कुल 17 भारतीय जहाज मौजूद हैं। इनमें तीन अन्य एलपीजी टैंकर, चार कच्चे तेल के टैंकर, एक एलएनजी टैंकर, एक केमिकल प्रोडक्ट्स टैंकर, तीन कंटेनर शिप, दो बल्क कैरियर और दो जहाज नियमित मरम्मत (मेंटेनेंस) के लिए शामिल हैं। भारत ने अपने जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए ईरान के साथ कूटनीतिक स्तर पर बातचीत की है। ईरान ने हाल ही में स्पष्ट किया था कि जो देश उसके साथ समन्वय बनाए रखते हैं और शत्रु श्रेणी में नहीं आते, उनके जहाजों को जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दी जा रही है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी कहा था कि भारत, चीन, रूस, इराक और पाकिस्तान जैसे देशों के जहाजों को इस मार्ग से गुजरने की इजाजत दी जा रही है।

आईपीएल में विदेशी खिलाड़ी कहे जाने पर विराट कोहली ने तोड़ी चुप्पी! लंदन में रहने को लेकर कही यह बात

बेंगलुरु,एजेंसी। विराट कोहली एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनका खेल नहीं बल्कि लंदन में समय बिताना है। हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलने वाले ओवरसीज यानी विदेशी खिलाड़ी तक कह दिया। इस पर कोहली ने मजेदार अंदाज में जवाब दिया है और आलोचकों को करारा जवाब दिया है। दरअसल, आरसीबी को प्रमोट करने के लिए वीडियो बनाने वाले मिस्टर नैग्स ने कोहली से पूछा– लोग कह रहे हैं कि आरसीबी टीम पांच विदेशी खिलाड़ियों के साथ खेल रही है। क्या ऐसा है। इस पर विराट ने हंसते हुए जवाब दिया और कहा, श्मुझे नहीं पता, आप मुझसे क्यों पूछ रहे हैं? ओवरसीज खिलाड़ियों से पूछिए। मैं ओवरसीज खिलाड़ी नहीं हूं। क्या मैं ओवरसीज खिलाड़ी हूं? उनका यह जवाब हल्के–फुल्के अंदाज में था, लेकिन इससे उन्होंने साफ कर दिया कि ऐसी बातों को वह ज्यादा तवज्जो नहीं देते। आईपीएल में कोहली ने धमाकेदार शुरुआत की। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पहले ही मैच में उन्होंने मैच जिताऊ पारी खेली और यह संकेत दे दिया कि वह इस सीजन में भी फॉर्म में हैं। आरसीबी की टीम इस बार अपने खिताब को बचाने उतरी है, जिसे उन्होंने पिछले सीजन में पहली बार जीता था। कोहली इस बार भी टीम की अगुवाई अपने अनुभव और प्रदर्शन से कर रहे हैं। आरसीबी के साथ खिताब जीतने के लंबे इंतजार को याद करते हुए कोहली ने अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने कहा, मैंने यह कहावत सुनी थी कि चार साल बाद बोझ उतर जाता है, लेकिन उस रात मुझे सच में समझ

आया कि इसका क्या मतलब होता है। सब कुछ हल्का लगने लगा था। यह बयान दिखाता है कि टीम के लिए वह खिताब कितना खास था। कोहली ने जीत के असली मायने भी बताए और कहा, जीत आपके वर्षों की मेहनत, त्याग और खेल के प्रति प्रतिबद्धता का नतीजा होती है। यह एक तरह का इनाम है, जो बताता है कि आपकी मेहनत बेकार नहीं गई। हार से लोग सीखते हैं, लेकिन कई बार निराश भी हो जाते हैं। ऐसे में जब आप जीतते हैं, तो लगता है कि आपकी मेहनत के साथ न्याय हुआ है और यह आपको आगे और मेहनत करने की प्रेरणा देता है। कोहली हाल के महीनों में अपने परिवार के साथ लंदन में ज्यादा समय बिता रहे हैं और भारत में कम नजर आते हैं। हालांकि, इसका असर उनके खेल पर बिल्कुल नहीं पड़ा है। मैदान पर वह पहले की तरह ही फिट और प्रभावी दिख रहे हैं।

क्या दक्षिण अफ्रीका की टीम में वापसी करेंगे हेनरिक क्लासेन ? खुद ही दिया जवाब, बताया- क्यों बनाई दूरी

चेन्नई,एजेंसी। हेनरिक क्लासेन को लेकर एक बार फिर यह सवाल उठने लगा था कि क्या वह दक्षिण अफ्रीका के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे, लेकिन इस पर अब खुद खिलाड़ी ने ही पूरी तरह विराम लगा दिया है। दरअसल, क्लासेन ने साफ कर दिया है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी नहीं करने जा रहे हैं और अपने फैसले पर कायम हैं। 34 वर्षीय इस विस्फोटक बल्लेबाज ने बताया कि यह निर्णय उन्होंने सोच–समझकर लिया है और इसमें उनके परिवार की बड़ी भूमिका रही है। पिछले साल जून में क्लासेन ने दक्षिण अफ्रीका के केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था। इसके बाद से वह दुनिया भर की टी20 लीग्स में खेलते नजर आ रहे हैं, जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद के लिए उनका प्रदर्शन खासा चर्चित रहा है। हाल ही में आईपीएल के एक वीडियो में क्लासेन अपने साथी नीतीश कुमार रेड्डी से बातचीत करते नजर आए, जहां उन्होंने अपने इस फैसले पर खुलकर बात की। क्लासेन ने कहा, मैंने दो सप्ताह तक इसके बारे में सोचा लेकिन फिर फैसला लिया कि वापसी नहीं करनी है।

उन्होंने आगे बताया कि परिवार उनके इस फैसले का सबसे बड़ा कारण है। हालांकि, एक समय ऐसा भी आया जब उन्हें दोबारा देश के लिए खेलने का मन हुआ। मेरे परिवार की इसमें बड़ी भूमिका है। मेरे दोस्त जब टी20 विश्व कप में अच्छा खेल रहे थे तो मुझे लग रहा था कि मैं क्यों उनके साथ नहीं हूं। मैं वापसी करना चाहता था। क्लासेन ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने इस बारे में दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडेन मार्करम से बात की थी। उन्होंने कहा, मैंने एडेन से बात भी की। उसने कहा था कि अगर उसे टीम में शामिल किया गया तो मैं जरूर वापसी करूंगा, लेकिन विश्व कप के बाद मुझे लगा कि ऐसा नहीं होगा।

इसलिए मैं वापसी नहीं कर रहा। क्लासेन ने 2024 में ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था और इसके बाद सीमित ओवर फॉर्मेट से भी दूरी बना ली। अब वह पूरी तरह से फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर फोकस कर रहे हैं।

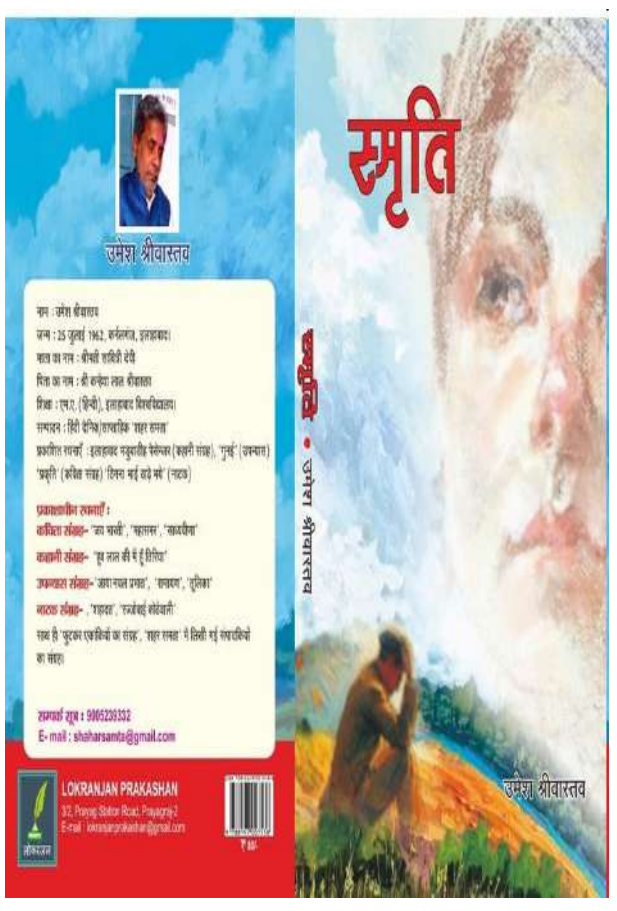

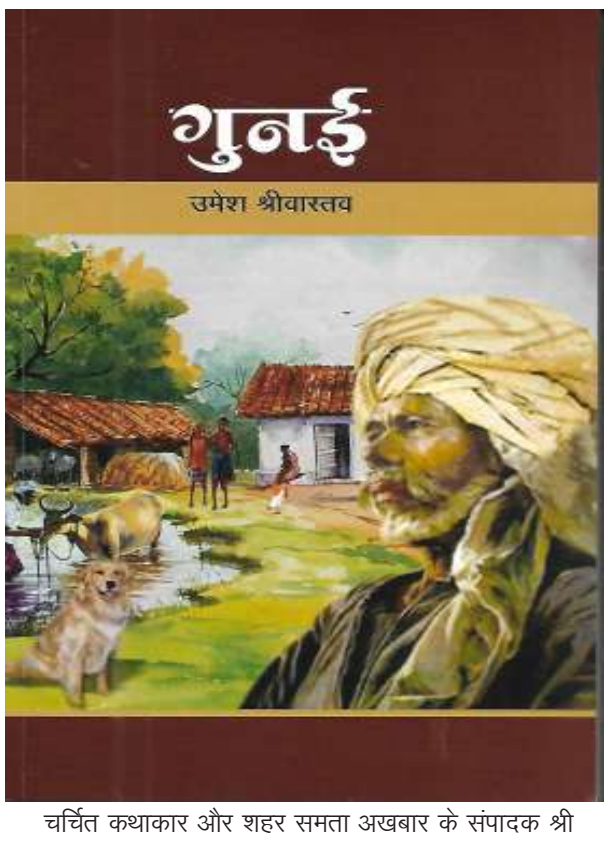

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

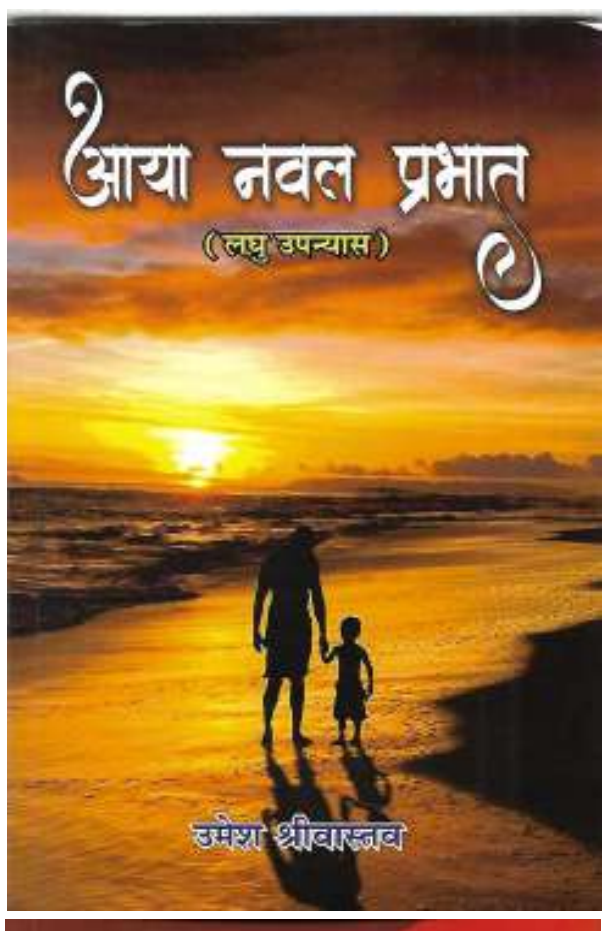

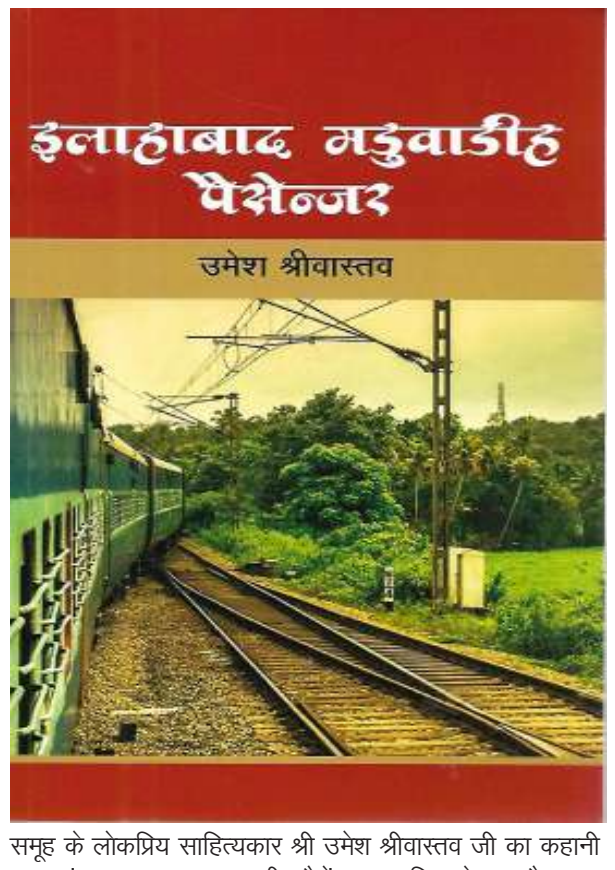

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

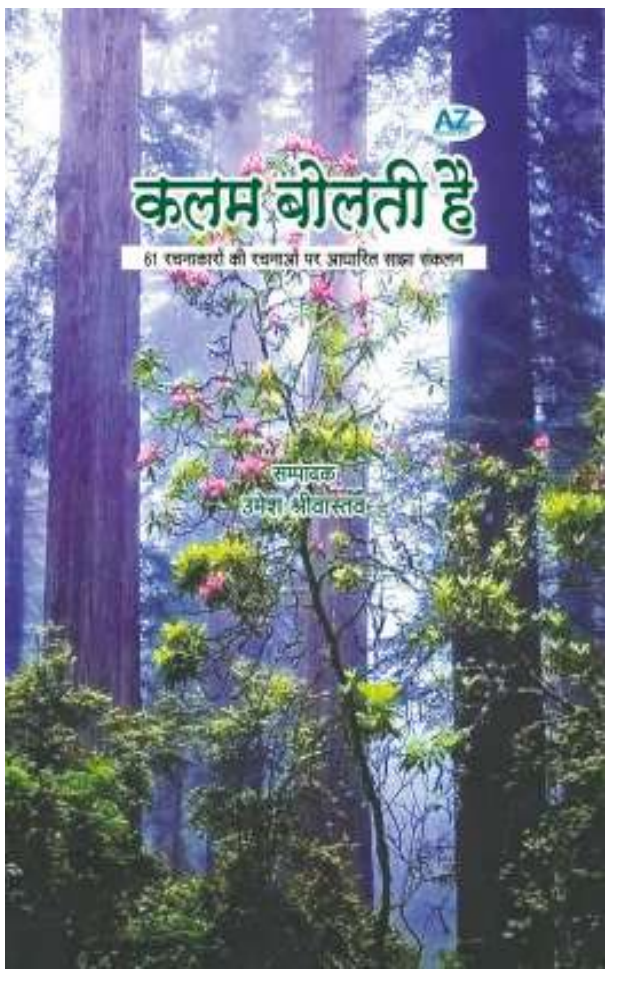

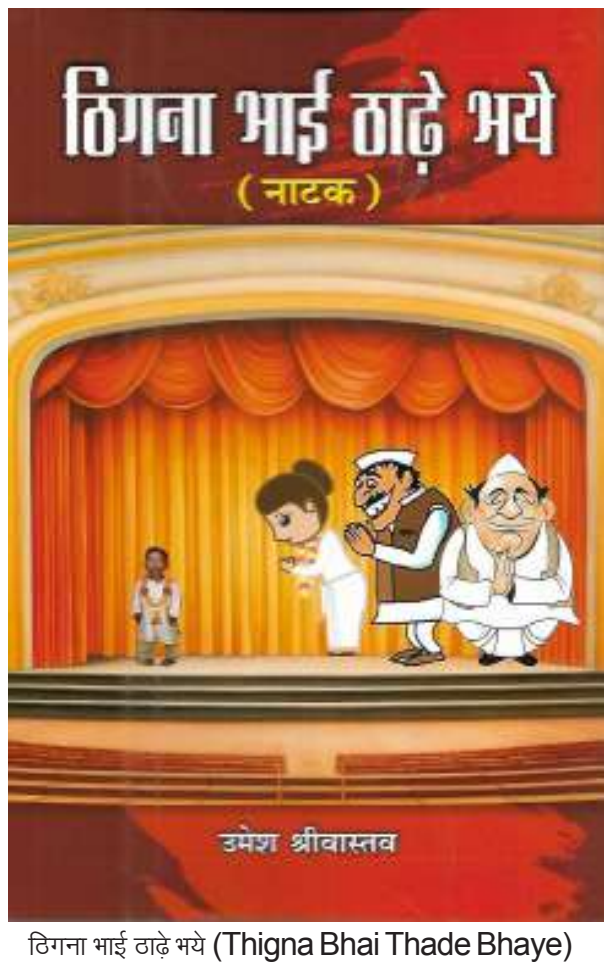

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

यूक्रेन और ईरान ने युद्ध को बना दिया तकनीकी दौड़ का खेल, ड्रोन बने दहशत का पर्याय

इधर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप अपनी सेना को दुनिया की सबसे महान, सक्षम, शक्तिशाली सेना बताते हैं और उधर ईरान के 'चींटी'जैसे ड्रोन उसके स्टील्थ फाइटर जेट की हवा निकाल देते हैं। वायुसेना के पूर्व एयर वाइस मार्शल एनबी सिंह कहते हैं कि यूक्रेन–रूस युद्ध शुरू होने के बाद मिलिट्री डॉक्टरिन नई दिशा में बढ़ी थी, लेकिन ईरान– अमेरिका–इजरायल युद्ध ने पूरा खेल ही पलट दिया है। एनबी सिंह कहते हैं कि ईरान के आसमान में आज अमेरिका का फाइटर जेट गिरा। उसके एक और फाइटर जेट से ईरान के ड्रोन ने 'डाग फाइट' की और गिरा दिया। बेमिसाल इंजीनियरिंग का कमाल बनी प्रतिरक्षा प्रणालियों को ध्वस्त कर दिया। सिंह कहते हैं कि युद्ध तो धैर्य और सामरिक रणनीति का खेल है। वह कहते हैं कि मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि आने वाले समय में युद्ध हथियारों की 'तकनीकी दौड़' बनेगा। बड़े भारी–भरकम और बड़े बजट वाले अस्त्र शस्त्रों से ज्यादा तकनीकी रूप से दक्ष छोटे हथियार कहर बरपाएंगे। हालांकि सिंह का कहना है कि बड़े हथियारों की जरूरत कभी खत्म नहीं होगी, लेकिन 'टैक्टिकल वारफेयर' से युद्ध के खर्चे बहुत हद तक सीमित किए जा सकेंगे।

युद्ध के मैदान में हाथी को चींटी से डर लगने लगा। पुरानी कहावत सच साबित हो रही है। यूक्रेन ने सबसे पहले तकनीकी दौड़ को शुरू किया था। यूक्रेन की छोटी तकनीक से निपटने के लिए रूस को बड़ा बदलाव करना पड़ा और ईरान के शाहेद और आत्मघाती ड्रोन पर निर्भरता बढ़ानी पड़ी। यूक्रेन की पोर्टेबल मिसाइलों ने रूस के घातक भारी भरकम हथियारों को निशाना बनाना शुरू किया। एफपीवी ड्रोन्स ने 4.5 करोड़ डालर मूल्य की मिसाइलों को धता बता दिया। लाखों डालर के टैंक देखते–देखते तबाह होने लगे। 20 किमी तक हमला करने में सक्षम इन ड्रोन ने पूरी जमीन हिला दी। यूक्रेन ने एर्गोनेमिक असाल्ट राइफलों और लंबी दूरी की स्नाइपर राइफलों से रूस को सोचने पर मजबूर कर दिया।

अब पश्चिम एशिया की बात। अमेरिका के दो बड़े विमान वाहक युद्ध पोत यूएसएस फोर्ड और लिंकन (चलते फिरते युद्ध के मैदान) पर दुनिया की निगाह टिकी थी। पैट्रिएट से लेकर थॉड, इस्राइल के आयरन डोम से लेकर न जाने क्या–क्या? एफ–35 लाइटेनिंग जैसे पांचवी पीढ़ी के लड़ाकू विमान, टॉम हॉक मिसाइलें, बंकर बस्टर बम, इस्राइल की स्पैरो मिसाइल और अंत में समुद्र के भीतर तबाही मचा देने वाले खतरनाक हथियार। दुनिया भर के रणनीतिक और सामरिक विशेषज्ञों का अनुमान था कि इतनी बड़ी ताकत के आगे ईरान चुटकियों में मसल जाएगा। 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल के संयुक्त सैन्य अभियान में ईरान की टॉप लीडरशिप के मारे जाने के बाद सब ईरान के घुटने टेकने का अनुमान लगाए बैठे थे, लेकिन 35 दिन बाद भी ईरान खड़ा है। दुनिया के 100 देश इसके असर से लहूलुहान हैं और अमेरिका–इस्राइल की संयुक्त ताकत अभी अपनी जीत का कोई भरोसा नहीं दे पा रही है। ईरान अब तक 580 के करीब बैलिस्टिक मिसाइल दाग चुका है। इसके 1380 के करीब ड्रोन ने अमेरिका, इस्राइल, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, बहरीन, कतर समेत अन्य की नींद हराम कर रखी है।

संक्षिप्त

ईरान के बुशहर परमाणु केंद्र के पास हवाई हमला, एक गार्ड की मौत, इमारत क्षतिग्रस्त

तेहरान,एजेंसी। ईरान की परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने बताया कि देश के बुशहर परमाणु केंद्र के पास एक हवाई हमले में एक सुरक्षा गार्ड की मौत हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक हमले में परमाणु केंद्र के पास की एक इमारत भी क्षतिग्रस्त हो गई है। यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब पश्चिम एशिया क्षेत्र में तनाव बढ़ता जा रहा है। ईरान की परमाणु एजेंसी ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह हमला किसने किया या इसके पीछे क्या कारण हो सकते हैं? बुशहर परमाणु केंद्र ईरान की ऊर्जा उत्पादन क्षमता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह फैसिलिटी ईरान के परमाणु कार्यक्रम का एक प्रमुख केंद्र है और इसके आसपास किसी भी प्रकार की सैन्य गतिविधि क्षेत्र की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय बन सकती है। जारी किए गए बयान के अनुसार यह चौथी बार है, जब बुशहर परमाणु केंद्र पर युद्ध के दौरान हमला हुआ है। यह तथ्य इस सुविधा की संवेदनशीलता और क्षेत्र में चल रहे संघर्षों के संभावित प्रभाव को रेखांकित करता है। इस हमले से पश्चिम एशिया क्षेत्र में अस्थिरता को और बढ़ा सकते हैं। ईरानी समाचार एजेंसी तस्नीम के अनुसार, इस हमले से संयंत्र के मुख्य हिस्सों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है और उत्पादन अप्रभावित बताया जा रहा है। हालांकि, संयंत्र के मुख्य परिचालन पर इसका कोई असर नहीं पड़ा है। दक्षिणी ईरान में फारस की खाड़ी पर बुशहर परमाणु संयंत्र स्थित है और यह देश का पहला वाणिज्यिक परमाणु ऊर्जा स्टेशन है। युद्ध छिड़ने के बाद से ही अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के बुनियादी ढांचे, जिसमें पुल और बिजली संयंत्र शामिल हैं, पर संभावित हमलों की चेतावनी दी थी। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि अमेरिकी सेना ने अभी तक ईरान में जो कुछ बचा है, उसे नष्ट करना शुरू भी नहीं किया है। उन्होंने ईरान को पाषाण युग में वापस भेजने की धमकी भी दी थी।

टैक्स हेवन ने बढ़ाई वैश्विक असमानता ऑक्सफैम का खुलासा

लंदन,एजेंसी। ऑक्सफैम की ताजा रिपोर्ट इस बहस को नई दिशा देती है। रिपोर्ट बताती है कि दुनिया के सबसे अमीर 0.1 फीसदी लोगों ने टैक्स से बचने के लिए विदेशों में इतनी संपत्ति छिपा रखी है, जो करीब 410 करोड़ लोगों यानी आधी वैश्विक आबादी की कुल संपत्ति से भी ज्यादा है। यह खुलासा वैश्विक आर्थिक ढांचे में मौजूद गहरी खाई को उजागर करता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था की एक कठोर सच्चाई यह है कि दौलत का बड़ा हिस्सा बेहद सीमित हाथों में सिमटता जा रहा है और उसका भी एक महत्वपूर्ण भाग पारदर्शी व्यवस्था से बाहर रखा गया है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट बताती है कि सुपर–रिच वर्ग अपनी संपत्ति को टैक्स हेवन और गुप्त वित्तीय तंत्रों के जरिए छिपाकर रख रहा है, जिससे असमानता और ज्यादा गहराती जा रही है।रिपोर्ट के अनुसार 2024 में करीब 3.55 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति विभिन्न टैक्स हेवन देशों और ऑफशोर खातों में रखी गई। तुलना करें तो यह रकम फ्रांस की पूरी अर्थव्यवस्था से भी अधिक है और दुनिया के 44 सबसे कमजोर देशों की कुल जीडीपी के मुकाबले दोगुने से ज्यादा बैठती है। यह सिर्फ छिपी हुई संपत्ति नहीं, बल्कि एक समानांतर वित्तीय दुनिया का संकेत है। ऑक्सफैम इंटरनेशनल के टैक्स विशेषज्ञ क्रिश्चियन हॉलम के मुताबिक पनामा पेपर्स ने वैश्विक वित्तीय गोपनीयता के उस नेटवर्क को उजागर किया था, जहां अमीर अपनी संपत्ति को टैक्स और निगरानी से दूर रखते हैं। लेकिन एक दशक बाद भी यह प्रवृत्ति जारी है। रिपोर्ट इस मुद्दे को केवल वित्तीय नहीं बल्कि सामाजिक न्याय के नजरिए से देखती है। जब बड़ी संपत्ति वाले लोग टैक्स से बचते हैं, तो सरकारों के पास सार्वजनिक सेवाओं जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा के लिए संसाधन सीमित हो जाते हैं। इसका सीधा असर आम नागरिकों पर पड़ता है और असमानता का चक्र और मजबूत होता है।

अमेरिका को पीछे हटने को मजबूर करो, ईरान की कड़ी चेतावनी

तेहरान,एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। ईरान ने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसके खिलाफ किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई की गई, तो उसका जवाब पहले से कहीं ज्यादा करारा और विनाशकारी होगा। ईरानी सशस्त्र बलों के केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फाघारी ने शनिवार को बयान जारी कर कहा कि

अमेरिका के हालिया बयानों और धमकियों को हल्के में नहीं लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगा। ईरान ने सिर्फ अमेरिकी सैन्य ठिकानों ही नहीं, बल्कि उन देशों को भी चेतावनी दी है जो अपने यहां अमेरिकी सैन्य बेस की अनुमति देते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि ऐसे देशों को अमेरिका को अपने क्षेत्र से बाहर करने के लिए कदम उठाने चाहिए, अन्यथा उन्हें भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

ईरान ने मध्यस्थता की पाकिस्तान की पेशकश ठुकराई, शरीफ की कूटनीतिक कोशिशों को लगा झटका

तेहरान,एजेंसी। ईरान ने पश्चिम एशिया संघर्ष में मध्यस्थता की पाकिस्तान की कोशिश को सिरे से खारिज कर दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, तेहरान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह पाकिस्तान में अमेरिका नेतृत्व वाले किसी भी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात नहीं करेगा। वहीं, ईरान ने अमेरिका की मांगों को अस्वीकार्य बताते हुए संकट के शीघ्र समाधान की संभावनाओं को भी पीछे धकेल दिया है। ईरान ने पाकिस्तान द्वारा खुद को पश्चिम एशिया संघर्ष में मध्यस्थ के तौर पर पेश करने के प्रयासों को ठुकरा दिया है। सूत्रों के अनुसार, तेहरान ने पाकिस्तान में अमेरिका के नेतृत्व वाले किसी भी प्रतिनिधिमंडल से मिलने से इनकार कर दिया है। इससे पाकिस्तान की कूटनीतिक कोशिशों को बड़ा झटका लगा है। पाकिस्तान ने यह दावा करते हुए अपनी कूटनीतिक क्षमता का इस्तेमाल करने की कोशिश की थी कि वह ईरान और अमेरिका दोनों पक्षों से संवाद स्थापित करने में सक्षम है। हालांकि, ईरान और पाकिस्तान के बीच गहरे अविश्वास के चलते, ईरानी पक्ष किसी भी बातचीत में इस्लामाबाद को कोई भूमिका देने से हिचकिचा रहा है। हालांकि, इस बीच कुछ उम्मीद की किरण जगी है, क्योंकि रिपोर्टों से पता चलता है कि ईरान इस क्षेत्र के एक अन्य महत्वपूर्ण खिलाड़ी कतर के जरिए मध्यस्थता के प्रयास पर विचार कर सकता है। इस बीच, क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। हालांकि पाकिस्तान ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को सिरे से नकार दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने की उसकी पहल शुरुआती दौर में ही अटक गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने इन खबरों को पूरी तरह बेबुनियाद और कल्पना मात्र करार देते हुए कहा कि किसी भी आधिकारिक सूत्र के हवाले से ऐसी बातें कहना गलत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की ओर से इस तरह की कोई जानकारी साझा नहीं की गई है। प्रवक्ता ने जोर देकर कहा कि मौजूदा संवेदनशील हालात में कूटनीति के लिए जिम्मेदारी और सावधानी बेहद जरूरी है। उन्होंने मीडिया से अपील की कि वे केवल आधिकारिक बयानों पर ही भरोसा करें और किसी तरह की अटकलों से बचें। ईरानी सेना का कहना है कि उन्होंने अमेरिका–इजराइल के खिलाफ अपने जवाबी अभियान की 93वीं लहर पूरी कर ली है। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (प्ळ्ब) ने दावा किया है कि उसने कब्जे वाले क्षेत्रों के अंदर गहरे इस्राइली सैन्य ठिकानों पर सटीक हमले किए हैं। प्ळ्ब ने यह भी कहा कि पश्चिमी गैलिली, हाइफा, काफर कन्ना और क्रायोट में इजराइलियों के एकत्रित होने और युद्ध समर्थन के केंद्रों को सटीकता से निशाना बनाया गया।

बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्य को निशाना बनाने का संकेत, होर्मुज से आगे बढ़ सकती है समुद्री नाकाबंदी

तेहरान,एजेंसी। पश्चिम एशिया में छिड़े ईरान युद्ध की वजह से दुनियाभर में ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है। ईरान ने होर्मुज डलडमरूमध्य पर अपना शिकंजा कस दिया है। वहीं, पश्चिम एशिया को युद्ध के झोंकने वाला अमेरिका अब होर्मुज को खुलवाने से दूरी बना रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एशियाई देशों को होर्मुज खुलवाने के लिए कोशिश करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि ये अमेरिका नहीं, एशियाई देशों की समस्या है। ईरान ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर दबाव बढ़ाने की ओर इशारा किया है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि तेहरान अपने विरोधियों पर दबाव बढ़ाने के लिए बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्य को भी निशाना बना सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य पर जारी समुद्री नाकाबंदी अंतरराष्ट्रीय शिपिंग पर गहरा आर्थिक और लॉजिस्टिक दबाव बना रही है। गालिबाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई सवाल पोस्ट करते हुए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियों को उजागर किया। उन्होंने इस जलमार्ग पर दुनिया की निर्भरता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि वैश्विक तेल, एलएनजी, गेहूं, चावल और उर्वरक शिपमेंट का कितना हिस्सा बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है?

ईरानी संसद के अध्यक्ष ने आगे कहा कि कुछ देश और कंपनियां इस रणनीतिक कदम से विशेष रूप से प्रभावित हो सकती हैं। उन्होंने पूछा, षकिन देशों और कंपनियों का इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाले शिपमेंट में सबसे अधिक हिस्सा है? इससे यह संकेत मिलता है कि इस्लामिक गणराज्य अपने प्रभाव को अधिकतम करने के तरीकों का मूल्यांकन कर रहा है। यह समुद्री रणनीति युद्ध के मैदान पर बढ़ते तनाव के साथ मेल खाती है। ईरान और उसके सहयोगियों ने एक सतत जवाबी अभियान ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के तहत हमलों क नई लहर शुरू कर दी है, जिसने कब्जे वाले क्षेत्रों के भीतर महत्वपूर्ण इस्राइली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है।

यह हमले हाल की शत्रुतापूर्ण कार्रवाइयों की सीधी प्रतिक्रिया माने जा रहे हैं, जो क्षेत्रीय संघर्ष में एक महत्वपूर्ण वृद्धि का संकेत देते हैं। ईरान का कहना है कि यह जवाबी कार्रवाई उन हमलों का भी जवाब है, जिनमें ईरान की ऊर्जा सुविधाओं और नागरिक बुनियादी ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाया गया।

प्रेस टीवी ने बताया कि विरोधी ताकतों की पिछली कार्रवाइयों के कारण सैकड़ों ईरानी नागरिकों की मौत हुई थी, जिनमें मिनाब में एक प्राथमिक विद्यालय में लगभग 170 बच्चे शामिल थे।

2023 में बच्चों की कैंसर से 1.44 लाख मौतें, अकेले भारत में 17000 की गई जान, कितनी गंभीर है स्थिति ?

दुनिया में कैंसर से बच्चों की होने वाली 94 फीसदी मौतें और बीमारी के 85 फीसदी नए मामले कम और मध्यम आमदनी वाले देशों (एलएमआईसी) में सामने आए। यह खुलासा द लैंसेट जर्नल में छपे एक वैश्विक विश्लेषण में हुआ है। यह आंकड़ा दुनिया में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और इलाज में बरती जा रही लगातार असमानता को दिखाता है। 2023 में कैंसर से भारत में 17,000, चीन में 16,000, नाइजीरिया और पाकिस्तान में लगभग नौ–नौ हजार मौतें हुई। रोगों, चोटों और जोखिम कारकों के वैश्विक भार का अध्ययन (जीबीडी) के आंकड़ों के विश्लेषण के मुताबिक, 2023 में विश्व स्तर पर बचपन के कैंसर के 3.77 लाख नए मामले और लगभग 1.44 लाख मौतें हुईं। शोधकर्ताओं के मुताबिक, दुनिया भर में बचपन के कैंसर से होने वाली मौतों में 1990 में 1.97 लाख से 27 फीसदी कम हो गई हैं, लेकिन अफ्रीका में 55.6 फीसदी बढ़ गई हैं। शोधकर्ताओं के मुताबिक, 2023 में बचपन का कैंसर बच्चों में मौत का आठवां प्रमुख कारण रहा। निम्न–मध्यम सामाजिक–जनसांख्यिकीय सूचकांक वाले भारत जैसे देशों में यह सभी आयु वर्गों में कैंसर से मौत का 11वां बड़ा कारण रहा। यह बीमारी जीवन की गुणवत्ता को भी प्रभावित करती है। कैंसर 2023 में दुनिया के बाल विकलांगता–समायोजित जीवन वर्ष (डीएएलवाई) में 10वां सबसे बड़ा योगदानकर्ता भी है। एक डीएएलवाई का मतलब एक साल का स्वस्थ जीवन खोना है। शोध के लेखकों के मुताबिक, कैंसर 85.1 फीसदी नए मामले, 94.1 फीसदी मौतें और 94.1 फीसदी डीएएलवाई एलएमआईसी देशों में देखने को मिली। सबसे ज्यादा मौतें ल्यूकेमिया यानी रक्त कैंसर (45,900) से हुईं, इसके बाद दिमाग और तंत्रिका तंत्र के कैंसर (23,200) और नॉन–हॉजकिन लिम्फोमा (15,200) रहे। शोध की मुख्य लेखक लिसा फोर्स ने कहा कि अमीर देशों में इलाज बेहतर हुआ है, लेकिन गरीब देशों तक इसका फायदा नहीं पहुंचा। देर से पहचान, इलाज की कमी और कमजोर स्वास्थ्य प्रणाली कैंसर के मुख्य कारण हैं। शोध के मुताबिक, सुधार के लिए कैंसर उपचार प्रणाली में निवेश बढ़ाना जरूरी है, जिसमें वक्त पर पहचान, प्रशिक्षित स्टाफ, कीमोथेरेपी, सर्जरी और रेडियोथेरेपी की बेहतर उपलब्धता शामिल है।

पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बनीं भारतीय मूल की रिनी संपत, रचा नया इतिहास

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका की राजनीति में भारतीय मूल के लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। इसी कड़ी में रिनी संपत ने इतिहास रचते हुए वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव के बैलेट में जगह बना ली है। वह इस पद के लिए बैलेट तक पहुंचने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं। तमिलनाडु के थेनी में जन्मी रिनी संपत बचपन में ही अमेरिका चली गई थीं। उन्होंने

बताया कि यह उपलब्धि सिर्फ उनके लिए नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई समुदाय के लिए गर्व का पल है। रिनी ने कहा कि वह सात साल की उम्र में अमेरिकन ड्रीम को पूरा करने के लिए अमेरिका आई थीं। अब उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यह सपना वॉशिंगटन डीसी के हर नागरिक के लिए हकीकत बने। उनके अभियान के मुताबिक, 4,500 से ज्यादा लोगों ने उनके समर्थन में हस्ताक्षर किए, जिसके बाद उन्हें आधिकारिक तौर पर बैलेट में जगह मिली। 31 वर्षीय रिनी संपत पिछले एक दशक से वॉशिंगटन डीसी में रह रही हैं और एक सरकारी ठेकेदार के रूप में काम कर चुकी हैं। उनका चुनावी एजेंडा शहर की बुनियादी समस्याओं को सुधारने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि अगर वह मेयर बनती हैं, तो सड़कों की मरम्मत, सीवर और जल निकासी समस्याओं का समाधान, 911 सेवाओं में सुधार और महंगाई को कम करना उनकी प्राथमिकता होगी। रिनी संपत ने मौजूदा प्रशासन पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि शहर की बुनियादी सेवाएं लगातार कमजोर हो रही हैं। उन्होंने हाल की बर्फबारी का जिक्र करते हुए कहा कि सड़कों और फुटपाथों की हालत खराब हो गई थी और कचरा प्रबंधन भी बिगड़ गया था। उन्होंने खुद को एक आउटसाइडर उम्मीदवार बताते हुए कहा कि वह पारंपरिक राजनीति से अलग हैं और किसी बड़े राजनीतिक समूह का समर्थन उन्हें नहीं मिला है। उनका मानना है कि शहर को नई सोच और जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेतृत्व की जरूरत है। रिनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, खासकर अपने दादा और पिता को दिया। उन्होंने कहा कि भारत से मिले संस्कार और परिवार की प्रेरणा ही उन्हें सार्वजनिक सेवा के लिए आगे बढ़ने की ताकत देती है।

अब धोखाधड़ी मामलों की जांच करेंगे जेडी वेंस, ट्रंप ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारीय डेमोक्रेटस के लिए चिंता कैसे?

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका में राजनीति और प्रशासनिक कार्रवाई का एक नया अध्याय शुरू होता हुआ दिख रहा है। इसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति जेडी. वेंस को देश में धोखाधड़ी की जांच का जिम्मा सौंपा है। वेंस अब अपने नए पद फ्रॉड जार (थ्तंनक ब्ंत) के रूप में कार्य करेंगे और उनका काम न केवल व्यापक और महत्वपूर्ण है, बल्कि देश के भविष्य और वित्तीय स्थिरता को भी प्रभावित कर सकता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।